आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठयक्रम की पाठ्यचर्या

राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या

राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान
5, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली-110016

वर्ष 2007 में प्रकाशित
मुद्रित प्रतियों की संख्या : 1500

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110001 की ओर से

प्रशिक्षण प्रभाग
राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान
द्वारा तैयार की गई

राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, 5, सीरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौज खास,
द्वारा प्रकाशित एवं चंदू प्रैस, डी-97, शकरपुर, नई दिल्ली - 110092 द्वारा मुद्रित

विषय वस्तु

		पृष्ठ
1.	भूमिका	1
2.	आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के घटक और अवधि	8
3.	आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की विषय वस्तु	9
4.	आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की कार्यक्रम अनुसूची	20
5.	आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की विषय-वस्तु	30

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या

भूमिका

समेकित बाल विकास सेवा (आई सी डी एस) कार्यक्रम आंरभिक बाल्यावस्था विकास के लिए विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक अनूठे कार्यक्रमों में से है । कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण इसका एक महत्वपूर्ण घटक है । कार्यक्रम कार्यान्वयन की 25 वर्षो से भी अधिक की अवधि के दौरान बाल विकास के क्षेत्र में काफी बदलाव आया है । उसी के अनुरूप आई सी डी एस कार्यक्रम के दर्शन में भी बहुत बदलाव और प्रतिमान संबंधी परिवर्तन आया है । यह अब समुदाय स्तर पर पहुंच बनाने, गुणवत्ता सुधार, आरंभिक उत्प्रेरण और सामूहिक कार्य की ओर उन्मुख हुआ है । परिणाम स्वरूप आई सी डी एस से बहुत सारी आशाएं हैं। अत: निस्संदेह आई सी डी एस कार्यकर्ताओं की भूमिका और कार्यदायित्वों तथा उनके प्रशिक्षण में भी बदलाव लाना जरूरी है ।

वर्ष 1999 में उदिशा परियोजना के आरंभ के साथ आई सी डी एस कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को पुन: पारिभाषित किया गया । उदिशा आई सी डी एस कार्यक्रम का एक नवीन प्रयास है जो एक सक्रिय और अनुक्रियाशील मानव संसाधन विकास कार्यक्रम है । यह महिला एवं बाल विकास के संबंध में दृष्टिकोण और व्यवहार में स्थायी बदलाव लाने के बारे में प्रशिक्षण और संप्रेषण का एक उपयोगी पैकेज प्रदान करता है ।

उदिशा देश और राज्यों को आई सी डी एस कार्यकर्ताओं हेतु ऐसी पाठ्यचर्या विकसित करने की गुंजाइश और अवसर उपलब्ध कराता है जो राज्य विशिष्ट हो । उदिशा कार्यक्रम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सर्वप्रथम सामाजिक परिवर्तन की एक वाहक के रूप में देखता है और यह माता-पिता तथा समुदाय को प्रशिक्षण की एक आवश्यक कड़ी मानता है । इन परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण और संप्रेषण की मध्यस्थताएं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को यह अवसर प्रदान करती हैं कि वह बच्चों और माताओं को स्तरीय सेवाएं देने में अपनी सक्षमता

को समझ सके । चूंकि प्रत्येक आई सी डी एस कार्यकर्ता से सर्वोत्तम कार्य लेना है, अतः आई सी डी एस कार्यकर्ताओं की प्रशिक्षण पाठ्यचर्या का परिशोधन बहुत महत्वपूर्ण है । इस विचार से आई सी डी एस कार्यकर्ताओं की पाठ्यचर्या को परिशोधित करने का कार्य किया गया है ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की अवधि 30 दिन (सप्ताह में 6 दिन, शनिवार कार्य दिवस हैं) की है जिसमें 26 कार्य दिवस हैं । इनमें से 22 दिन व्यावहारिक अभ्यास और अभिनय सत्रों सहित संस्थागत प्रशिक्षण के लिए हैं और 4 दिन समुदाय में और आंगनवाड़ी केन्द्र में पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए है । पर्यवेक्षित अभ्यास सहभागियों को सेवा प्रदान करने में उनकी कुशलताएं बढ़ाने और उन्हें आंगनवाड़ी केन्द्र में दैनिक गतिविधियों की योजना बनाने का अवसर देने के लिए रखा गया है । कार्य प्रशिक्षण संभागी तरीके से सीखने की तकनीकें इस्तेमाल करते हुए आयोजित किया जाएगा । भूमिका अभिनय, निदर्शन और प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए अभ्यासों और केस अध्ययनों द्वारा कक्षागत शिक्षण को सहायता दी जाएगी ।

अवलोकन दौरों के अतिरिक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संप्रेषण और परामर्श कुशलताएं विकसित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा । स्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए प्रत्येक घटक में प्रतिप्राप्ति प्राप्त करने का तरीका विकसित किया गया है ।

आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र में इसके अनुदेशकों द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्यप्रशिक्षण महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा 23 मार्च 2005 को जारी प्रशासनिक मार्गदर्शी सिद्धान्तों में अनुमोदित बजट के अनुसार आयोजित किया जाता है । चूंकि परिशोधित पाठ्यचर्या में इस प्रशिक्षण की अवधि घटा दी गई है अतः उसके अनुपात में कार्यक्रम बजट भी कम करना होगा जिसका विवरण अलग भेजा जाता है । आंगनवाड़ी केन्द्र चलाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से अपेक्षित उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, कार्यदायित्वों, योग्यताओं और कुशलताओं को ध्यान में रखकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का परिशोधन किया गया है ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के कार्यदायित्व

क. आई सी डी एस कार्यक्रम के कार्यान्वयन की योजना बनाना

- 1. गांव का मानचित्रण
- 2. समुदाय से घनिष्ठ सम्पर्क बनाना
- 3. सामुदायिक सर्वेक्षण आयोजित करना और लाभार्थियों की सूची बनाना
    - 0-6 वर्ष के बच्चे
    - संभावित खतरे वाले बच्चे
    - भावी और धात्री माताएं
    - किशोरियां

4. जन्म और मृत्यु पंजीकरण

ख. सेवा प्रदाय

5. पूरक पोषाहार तैयार करना और उसका वितरण
    - 6 महीने से 6 वर्ष तक के बच्चे
    - भावी और धात्री माताएं
    - संभावित खतरे वाले बच्चे और माताएं

6. वृद्धि की मानीटरिंग

7. बच्चों और माताओं के टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच में स्वास्थ्य स्टाफ की सहायता करना

8. रेफरल सेवाएं

9. बच्चों में विकलांगता की पहचान करना

10. मामूली बीमारियों का इलाज करना

- 11. बाल्यावस्था के रोगों का प्रबंधन

- 12. किशोरियों, महिलाओं तथा समुदाय की स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा

13. अनौपचारिक शालापूर्व शिक्षा की गतिविधियों का आयोजन करना

ग. सूचना, शिक्षा और संप्रेषण

- 14. माता-पिता, परिवारों और समुदाय आदि से बातचीत करना

15. पारंपरिक और लोक माध्यम का उपयोग करना

16. जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन करना

- 17. संप्रेषण और शिक्षण सामग्री तैयार करना

घ. समुदाय से संपर्क

18. समुदाय को जुटाना और सामुदायिक भागीदारी प्राप्त करना

19. पंचायत, प्राथमिक स्कूलों, महिला मंडलों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं आदि से संपर्क बनाए रखना

ङ. प्रबंधन और प्रशासन

- 20. आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंधन करना

21. रिपोर्टों और रजिस्टरों का रखरखाव करना

22. रिपोर्टें तैयार करना

परिशोधित पाठ्यचर्या के मुख्य तत्व ये हैं:

- बच्चे पर केन्द्रित विकासात्मक उपाय
- मध्यस्थताओं के लिए जीवनचक्र आधार
- बाल अधिकारों का परिप्रेक्ष्य
- जेंडर सुग्राह्यता
- कुपोषण और विकलांगता के रोकथाम संबंधी उपायों पर बल
- बाल देखभाल की परम्परागत अच्छी प्रथाओं का समर्थन करना
- परिवार पर केन्द्रित और समुदाय आधारित दृष्टिकोण
- सीखने का आनंददायक वातावरण बनाना
- तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर ध्यान केन्द्रित करना
- संप्रेषण और परामर्श कुशलताएं
- स्व मूल्यांकन और स्व निर्धारण

पाठ्यचर्या के परिशोधन के मार्गदर्शी सिद्धान्त ये है:

- निम्नलिखित को ध्यान में रख कर प्रत्येक माड्यूल का विकास करना
    - मुख्य तत्व
    - आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के दायित्व, कार्य और योग्यताएं
- प्रत्येक सैद्धान्तिक सत्र एक घंटा और पंद्रह मिनट से अधिक का न हो
- प्रत्यक्ष अनुभव और कुशलता निर्माण पर बल
- क्षेत्रीय तैनाती के बजाए पर्यवेक्षित अभ्यास
- घटकों में अन्त: सम्पर्क को उजागर करना

कार्य प्रशिक्षण के सीखने संबंधी मुख्य लक्ष्य ये हैं:

1. आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल और विकास का महत्व
2. परिवार और समुदाय की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल की आदतें
3. छोटे बच्चों का पौषणिक निर्धारण और परामर्श
4. अभिभावकीय कुशलताओं और व्यवहार में सुधार लाना
5. आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा संबंधी गतिविधियां आयोजित करना
6. विकलांगताओं की शीध्र पहचान करना
7. बाल्यावस्था के रोगों का प्रबंधन
8. व्यवहार में बदलाव लाने के लिए संप्रेषण तकनीकें
9. समुदाय में बाल उत्तरजीविता और विकास की हिमायत करना

इस दस्तावेज़ में पाठ्यचर्या के विस्तृत विषय, कार्यक्रम अनुसूची और कार्यक्रम की विषय वस्तु शामिल है ।

चित्र 1: आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका, जानकारी और कुशलताएं

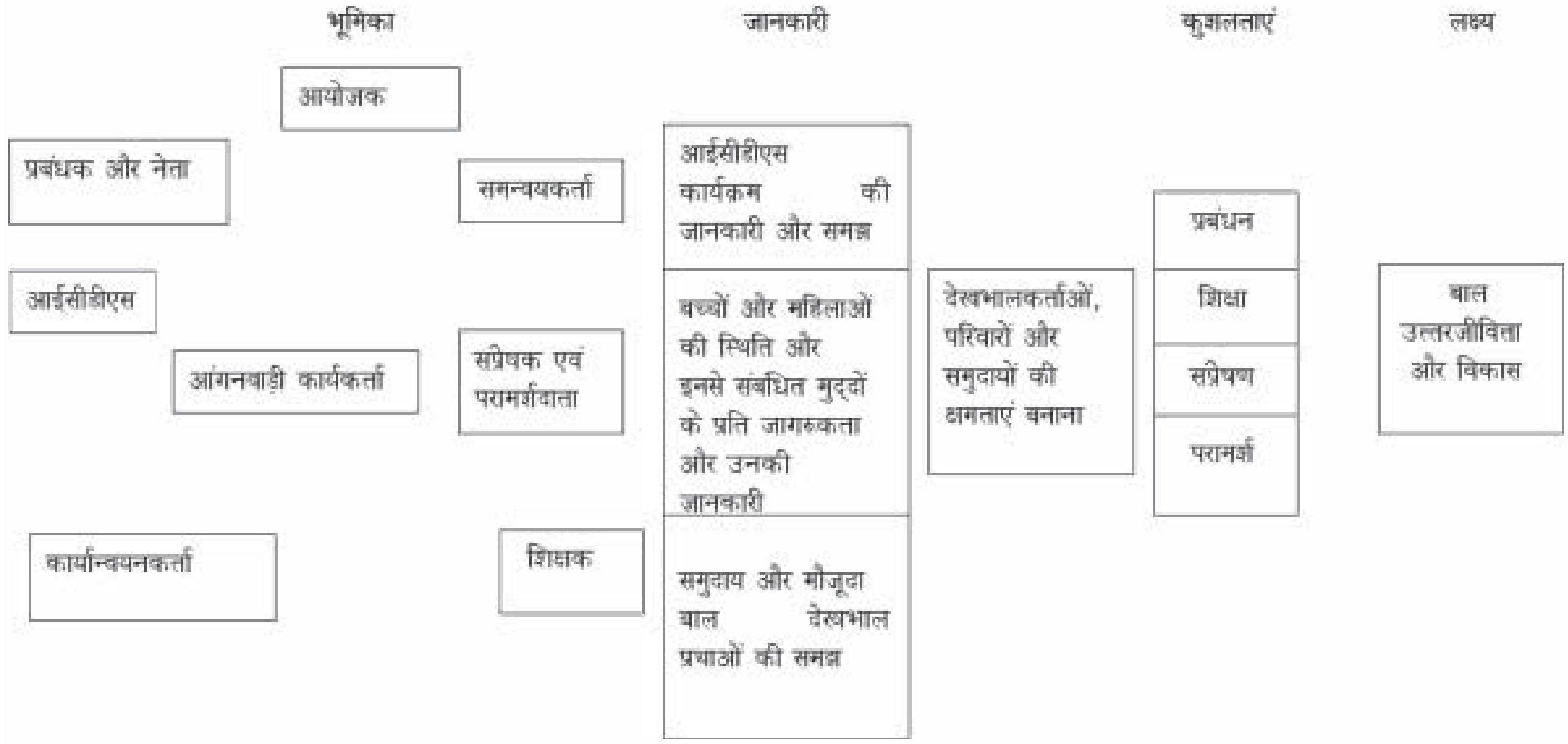

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के घटक और अवधि

अवधि 30 दिन | कार्य दिवस: 26 दिन | दल का आकार-35

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य दिवस	कार्य के घंटे									
			सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		दिन	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
1..	(क) डिफ्रीज़िंग	½ दिन	1	30	2	45	0	00	0	00	4	15
2.	(ख) बुनियादी जानकारी	1 ½ दिन	9	30	1	15	0	00	0	00	10	45
3.	(ग) आई सी डी एस कार्यक्रम	2 दिन	13	30	1	30	0	00	0	00	15	00
4.	(घ) आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास	4 दिन	15	15	14	45	0	00	0	00	30	00
5.	(ड.) पोषण एवं स्वास्थ्य	7 दिन	28	00	11	45	12	45	0	00	52	30
6.	(च) सम्प्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी	4 दिन	21	00	9	00	0	00	0	00	30	00
7.	(छ) सुपरविज़न, प्रशिक्षण एवं प्रबंध	3 दिन	14	30	8	00	0	00	0	00	22	30
8.	(ज) पर्यवेक्षित अभ्यास	3 दिन	0	00	0	00	22	30	0	00	22	30
	(झ) मूल्यांकन एवं समापन	1 दिन	7	30	0	00	00	00	00	00	7	30
	योग	**26 दिन**	**110**	**45**	**49**	**00**	**35**	**15**	**0**	**00**	**195**	**00**

टिप्पणी:

- पाठ्यक्रम की अवधि में इसके शुरू होने से पहले के एक दिन और बाद के एक दिन तथा इस दौरान पड़ने वाली छुट्टियां शामिल नहीं हैं ।
- प्रतिदिन पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे तक प्रार्थना/आइस ब्रेकिंग खेल/व्यायाम आयोजित किए जाएंगे ।
- दिन में कुल कार्य घंटे होंगे- 7 घंटे 30 मिनट
- कुल कार्य घंटों में प्रतिप्राप्ति सत्रों में लगा समय अथवा अनुदेशों तथा कार्य सौंपने पर लगा समय शामिल है ।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या की विषय वस्तु

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
	(क) डिफ्रीज़िंग (½ दिन)										
1.	स्वागत तथा परिचय	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
2.	अनुभवों का आदान प्रदान	0	00	2	45	0	00	0	00	2	45
	योग	**1**	**30**	**2**	**45**	**0**	**00**	**0**	**00**	**4**	**15**
	(ख) बुनियादी जानकारी (1 ½ दिन)										
3.	भारत/राज्यों में बच्चों एवं महिलाओं की स्थिति	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
4.	महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित सामाजिक मुद्दे	2	00	0	00	0	00	0	00	2	00
5.	बच्चों और महिलाओं संबंधी संवैधानिक प्रावधान, अधिकारी तथा कानून	2	00	0	00	0	00	0	00	2	00
6.	बच्चों और महिलाओं के विकास के कार्यक्रम एवं नीतियां	2	15	0	00	0	00	0	00	2	15
7.	बलिकाओं की स्थिति तथा 'मीना' प्रयास	1	00	0	45	0	00	0	00	1	45
8.	स्व: सहायता समूहों के जरिए महिला सशक्तिकरण	1	00	0	30	0	00	0	00	1	30
	योग	**9**	**30**	**1**	**15**	**0**	**00**	**0**	**00**	**10**	**45**
	(ग) आईसीडीएस कार्यक्रम (2 दिन)										
9.	आई सी डी एस कार्यक्रम का परिचय	2	30	0	00	0	00	0	00	2	30

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
10.	आई सी डी एस प्रशिक्षण का प्रशिक्षण संबंधी ढांचा तथा उपागम (अप्रोच)	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
11.	आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थापना	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
12.	आंगनवाडी कार्यकर्ता की भूमिका तथा कार्यदायित्व	1	30	00		00		00		1	30
12.1	कक्षा कार्य - आई सी डी एस परियोजना पर लेख	0	00	0	30	0	00	0	00	0	30
13.	आई सी डी एस के अन्य कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य तथा खंड कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा कार्यदायित्व	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
14.	स्वास्थ्य संबंधी आधारभूत ढांचा	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
15.	आई सी डी एस कार्यक्रम हेतु सरकारी मंत्रालयों, विभागों (स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण, विकास तथा सूचना एवं प्रसारण) के साथ इंटरफेस/समन्वय	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
16.	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के लिए अपेक्षित सम्प्रेषण तथा परामर्श कुशलताएं	0	30	1	00	0	00	0	00	1	30
17.	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी अनुदेश तथा मार्गदर्शी सिद्धान्त	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
18.	आई सी डी एस घटक की प्रति प्राप्ति	0	30	0	00	0	00	0	00	0	30
	योग	13	30	1	30	0	00	0	00	15	00
	(घ) आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास (4 दिन)										
19.	बाल विकास - परिभाषा, अवधारणा, जरूरत तथा प्रक्रिया	2	15	0	00	0	00	0	00	2	15
20.	बाल विकास पर फिल्म	0	00	0	45	0	00	0	00	0	45
21.	आई सी डी एस में आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
22.	आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण हेतु गतिविधियां (जन्म से 3 वर्ष)	0	45	1	00	0	00	0	00	1	45
23.	शालापूर्व शिक्षा का महत्व तथा शालापूर्व बच्चे की विशेषताएं	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
24.	शालापूर्व बच्चों के शारीरिक और गतिशीलता विकास हेतु गतिविधियां	0	45	1	15	0	00	0	00	2	00
25.	शालापूर्व बच्चों के संज्ञानात्मक विकास हेतु गतिविधियां	1	00	1	15	0	00	0	00	2	15

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
26.	शालापूर्व बच्चों के भाषाई विकास के लिए गतिविधियां	0	45	0	45	0	00	0	00	1	30
27.	शालापूर्व बच्चों के मनोसामाजिक विकास के लिए गतिविधियां	0	45	0	45	0	0	0	00	1	30
28.	प्रकृति की सैर के अनुदेश	0	15	0	00	0	00	0	00	0	15
29.	प्रकृति की सैर	0	30	1	00	0	00	0	00	1	30
30.	शालापूर्व बच्चों की सृजनात्मक, विज्ञान की सौंदर्य बोधक अभिव्यक्ति तथा जानकारी के विकास की गतिविधियां	0	30	1	00	0	00	0	00	1	30
31.	शालापूर्व गतिविधियों के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंध	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
32.	कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार और इस्तेमाल करना	0	30	2	45	0	00	0	00	3	15
33.	आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा कार्यक्रम की योजना बनाना एवं उसका आयोजन	1	30	2	45	0	00	0	00	1	30
34.	कक्षा का नियत कार्य आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों के आयोजन की योजना	0	00	1	30	0	00	0	00	1	30

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
35.	बच्चों की व्यवहार संबंधी आम समस्याएं	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
36.	ईसीसीडी घटक की प्रतिप्राप्ति	0	30	0	00	0	00	0	00	0	30
	योग	15	15	14	45	0	00	0	00	30	00
	(ड.) पोषण एवं स्वास्थ्य (7 दिन)										
37.	स्वस्थ जीवन और अच्छे पोषण का महत्व	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
38.	आई सी डी एस कार्यक्रम में पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
39.	गर्भवती और धात्री माताओं की पोषण स्वास्थ्य संबंधी देखभाल	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
40.	नवजातों, शिशुओं तथा छोटे बच्चों की पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी देखभाल (जन्म से 6 वर्ष)	1	15	0	30	0	00	0	00	1	45
41.	किशोरियों की पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी देखभाल	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
42.	बच्चों में प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण - कारण, लक्षण, निवारण एवं प्रबंधन	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
43.	बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग - कारण, लक्षण, निवारण तथा प्रबंधन	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
44.	आंगनवाड़ी केन्द्र में पूरक पोषाहार की व्यवस्था करना	0	45	0	30	0	00	0	00	1	15

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
45.	वृद्धि की मानीटरिंग तथा प्रोत्साहन	0	30	1	30	0	00	0	00	2	00
46	पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करना तथा क्षेत्रीय दौरे के लिए अनुदेश	0	30	0	45	0	00	0	00	1	15
47.	शालापूर्व शिक्षा गतिविधियां आयोजित करने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का दौरा तथा पोषाहार सेवाओं का आयोजन	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15
48.	बच्चों में उभरते स्थानिक रोगों की रोकथाम	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
49.	बच्चों में अपंगता की पहचान एवं रोकथाम	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
50.	बाल्यावस्था के रोगों के समेकित प्रबंधन की जानकारी	2	00	0	00	0	00	0	00	2	00
51.	बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना	1	15	1	00	0	00	0	00	2	15
52.	बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना (जारी)	2	00	1	15	0	00	0	00	3	15
53.	बाल्यावस्था के रोगों का वर्गीकरण	1	30	0	30	0	00	0	00	2	00
54.	बाल्यावस्था के रोगों का उपचार	1	00	1	00	0	00	0	00	2	00
55.	घरेलू देखभाल के साथ उपचार तथा सलाह	1	30	2	00	0	00	0	00	3	30
56.	बाल्यावस्था के आम रोगों का पता लगाना, वर्गीकरण और उपचार के लिए समुदाय का दौरा	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
57.	पोषण संबंधी परामर्श	1	00	2	15	0	00	0	00	3	15
58.	बाल्यावस्था के रोगों के निर्धारण, वर्गीकरण तथा उपचार, घरेलू देखभाल, सलाह एवं परामर्श के लिए समुदाय का दौरा	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15
59.	आई एम एन सी आई घटक की पुनरीक्षा, सुदृढ़ीकरण और प्रतिप्राप्ति	0	30	0	30	0	00	0	00	1	00
60.	व्यक्तिगत स्वच्छता और पीने का सुरक्षित पानी	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
61.	पोषण एवं स्वास्थ्य घटक की प्रतिप्राप्ति	1	00	0	00	0	00	0	00	1	00
	योग	28	00	11	45	12	45	0	00	52	30
	(च) सम्प्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी (4 दिन)										
62.	आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी की जरूरत, महत्व और अवसर	1	00	0	30	0	00	0	00	1	30
63.	अपने समुदाय को कैसे जानें	0	30	0	45	0	00	0	00	1	15
64.	आई सी डी एस कार्यक्रम में समुदाय की भूमिका	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
65.	आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन में	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
	पंचायतों की भूमिका										
66.	आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समुदाय को तैयार करना	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
67.	समुदाय में महिला मंडल गठित करना	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
68.	ग्राम स्तर की समन्वय समिति का गठन	0	30	0	45	0	00	0	00	1	15
69.	समुदाय में सर्वेक्षण आयोजित करना	0	45	0	45	0	00	0	00	1	30
70.	समुदाय को जुटाने तथा सामुदायिक भागीदारी प्राप्त करने की तकनीकें	1	00	1	00	0	00	0	00	2	00
71.	आई सी डी एस के लिए समुदाय आधारित मानीटरिंग	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
72.	आई सी डी एस कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेषण तथा मीडिया के इस्तेमाल की जरूरत	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
73.	सामुदायिक प्रक्रिया	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
74.	आई सी डी एस कार्यक्रम में लोक तथा परंपरागत संचार माध्यम तथा नुक्कड़ नाटक का इस्तेमाल	1	15	0	00	0	00	0	00	1	15
75.	आई सी डी एस में अन्त वैयक्तिक और सामूहिक सम्प्रेषण का प्रयोग	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
76.	व्यवहार परिवर्तन के लिए सम्प्रेषण	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
77.	बच्चों और महिलाओं के संबंध में समुदाय विषयक महत्वपूर्ण मुद्दों में इस्तेमाल हेतु सामाजिक संदेश और संम्प्रेषण सामग्री तैयार करना	1	00	3	15	0	00	0	00	4	15
78.	बच्चों और महिलाओं से संबंधित मुद्दों हेतु बाल मेलों, प्रदर्शनियों तथा समर्थन/जागरूकता अभियानों की योजना और आयोजन	0	30	00	45	0	00	0	00	1	15
79.	सम्प्रेषण समर्थन तथा सामुदायिक भागीदारी की प्रतिप्राप्ति	0	30	0	00	0	00	0	00	0	30
	योग	21	00	9	00	0	00	0	00	30	00
	(घ) आंगनवाड़ी का प्रबंधन (2 दिन)										
80.	आपूर्ति, सामग्री और साज-सामान समेत आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंधन	1	00	0	30	0	00	0	00	1	30
81.	बैठकों की योजना और आयोजन	0	30	0	45	0	00	0	00	1	15
82.	आंगनवाड़ी केन्द्र में महसूस की गई समस्याओं का प्रबंधन	1	00	0	30	0	00	0	00	1	30
83.	अन्य कार्यकर्ताओं तथा नेताओं के साथ अन्तः	0	30	1	00	0	00	0	00	1	30

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
	वैयक्तिक सम्बन्ध										
84.	सुपरवाइजरों, बाल विकास परियोजना अधिकारियों/सहायक बाल विकास परियोजना अधिकारियों/स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ पत्राचार	1	15	0	30	0	00	0	00	1	45
85.	स्व-विकास तथा स्व-मूल्याकंन	1	30	0	30	0	00	0	00	2	00
86.	मासिक प्रगति रिपोर्ट तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरना तथा आगन्तुक पुस्तक और दैनिक डायरी का रखरखाव	1	15	1	00	0	00	0	00	2	15
87.	आंगनवाड़ी केन्द्र में रिकार्डो और रजिस्टरों का रखरखाव	1	30	1	15	0	00	0	00	2	45
88.	पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए अनुदेश	0	30	0	00	0	00	0	00	0	30
	योग	9	00	6	00	0	00	0	00	15	00
	(ज) पर्यवेक्षित अभ्यास (4 दिन)										
89.	आंगनवाड़ी केन्द्र में सहायक के रूप में कार्य	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15
90.	समुदाय में सहायक के रूप में कार्य	0	00	0	00	3	15	0	00	3	15
91.	आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15
92.	समुदाय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य	0	00	0	00	3	15	0	00	3	15

क्र. सं.	घटक और विषय वस्तु	कार्य के घंटे									
		सिद्धान्त		कक्षाकार्य		पर्यवेक्षित अभ्यास		अवलोकनार्थ दौरा		कुल	
		घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट	घंटे	मिनट
93.	आंगनवाड़ी केन्द्र में सुपरवाइजर के रूप में कार्य	0	00	0	00	4	15	0	00	4	15
94.	बाल विकास परियोजना अधिकारी के कार्यालय में सुपरवाइजर के रूप में कार्य	0	00	0	00	3	15	0	00	3	15
	योग	0	00	0	00	22	30	0	00	22	30
	(झ) अंतिम पाठ्यक्रम मूल्याकंन (1 दिन)										
95.	राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे	2	15	0	00	0	00	0	00	2	15
96..	प्रशिक्षार्थियों का मूल्याकंन	2	00	0	00	0	00	0	00	2	00
97.	प्रतिप्राप्ति तथा सीखने संबंधी कमियों को पूरा करना	1	45	0	00	0	00	0	00	1	45
98.	समापन सत्र	1	30	0	00	0	00	0	00	1	30
	योग	7	30	0	00	0	00	0	00	7	30
	सकल जोड़	110	45	49	00	35	15	0	00	195	00

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की कार्यक्रम अनुसूची

* अवधि 30 दिन　　　　कार्य दिवस 26 दिन　　　　दल आकार-35

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15- अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30- अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
	क. डिफ्रीज़िंग (½ दिन)					(ख) आधार (1 ½ दिन)		
दिन 1	पंजीकरण	स्वागत तथा परिचय	अनुभवों का आदान प्रदान		भो	भारत/राज्यों में, बच्चों तथा महिलाओं की स्थिति	बच्चों तथा महिलाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दे	
दिन 2	खेल/ प्रतिप्राप्ति/ नियत कार्य की प्रस्तुति	बच्चों और महिलाओं से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, अधिकार तथा कानून (पूर्वा. 9.15 - पूर्वा. 11.00)		बच्चों और महिलाओं के विकास हेतु कार्यक्रम और नीतियां (पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15)	ज	बालिका की स्थिति तथा मीना प्रयास मीना पर फिल्म (अप. 2.15 - अप. 4.00 बजे)	स्व सहायता समूहों के जरिए महिला सशक्तिकरण महिला सशक्तिकरण पर फिल्म (अप. 4.00 - अप. 5.30 बजे)	
	(ग) आई सी डी एस कार्यक्रम (2 दिन)							
दिन 3	खेल/प्रति प्राप्ति/नियत कार्य की प्रस्तुति	आई सी डी एस कार्यक्रम का परिचय (पूर्वा. 9.15 - पूर्वा. 11.30 बजे)		प्रशिक्षण ढांचा और आई सी डी एस प्रशिक्षण के उपागम (अप्रोच)	न	आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थापना (अप. 2.15 - अप. 3.30 बजे)	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका और कार्यदायित्व (अप. 3.30-	कक्षा का नियत कार्य (अप. 5.00 - अप. 5.30 बजे)

* चार रविवार के अवकाश और शनिवार के कार्य दिवसों समेत ।

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15-अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30-अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
				(पूर्वा. 11.30-अप. 1.15 बजे)	भो		अप.5.00 बजे)	
दिन 4	खेल/प्रति प्राप्ति/ नियत कार्य की प्रस्तुति	आई सी डी एस के अन्य कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य तथा खंड कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा कार्यदायित्व	स्वास्थ्य संबंधी आधारभूत ढांचा (पूर्वा. 10.30 - पूर्वा.11.45 बजे)	आई सी डी एस कार्यक्रम हेतु सरकारी मंत्रालयों/विभागों (स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं सूचना तथा प्रसारण) के साथ परस्पर सम्बद्ध/समन्वय	ज	आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से अपेक्षित सम्प्रेषण और परामर्श कुशलताएं + भूमिका अभिनय (अप. 2.15 - अप. 3.45 बजे)	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जारी अनुदेश और मार्गदर्शी सिद्धांत (अप. 3.45 - अप. 5.00 बजे)	आई सी डी एस घटक की प्रतिप्राप्ति (अप. 5.00-अप. 5.30 बजे)
(घ) आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास (4 दिन)								
दिन 5	बाल विकास - परिभाषा, अवधारणा, जरूरत और प्रक्रिया		बाल विकास पर फिल्म	आई सी डी एस में आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा	न	आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण हेतु गतिविधियां (जन्म - 3 वर्ष) +	शालापूर्व शिक्षा का महत्व तथा शालापूर्व बच्चे की विशेषताएं	

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15-अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30-अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
			(पूर्वा. 11.15 - अप. 12.00 बजे)	(अप. 12.00 - अप. 1.15 बजे)	भो	निदर्शन + भूमिका अभिनय (अप. 2.15 - अप. 4.00 बजे)	(अप. 4.00 - अप. 5.30 बजे)	
दिन 6	खेल/प्रतिप्राप्ति/नियत कार्य की प्रस्तुति	शालापूर्व केन्द्र में बच्चों के शारीरिक और गतिशीलता संबंधी विकास की गतिविधियां + निदर्शन (पूर्वा0 9.15 - पूर्वा 11.00 बजे)	शालापूर्व केन्द्र में बच्चों में संज्ञानात्मक विकास हेतु गतिविधियां (पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15 बजे)		ज	शालापूर्व केन्द्र में बच्चों के भाषा विकास के लिए गतिविधियां + निदर्शन (अप. 2.15 - अप. 3.45 बजे)	शालापूर्व में बच्चों के मनो-सामाजिक विकास हेतु गतिविधियां + निदर्शन (अप. 3.45 - अप. 5.15 बजे) • प्राकृतिक भ्रमण के लिए अनुदेश (अप. 5.15 - अप. 5.30 बजे)	
दिन 7	प्राकृतिक भ्रमण	शालापूर्व में बच्चों के सृजनात्मक, सौंदर्यबोधक अभिव्यक्ति तथा वैज्ञानिक जानकारी के विकास		शालापूर्व गतिविधियों के लिए आंगनवाड़ी	न	कम लागत की शालापूर्व सामग्री तैयार और इस्तेमाल करना + कक्षा कार्य		

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15-अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30-अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
	(पूर्वा. 9.00 - पूर्वा. 10.30 बजे)	की गतिविधियां + निदर्शन (पूर्वा. 10.30 - अप. 12.00 बजे)		केन्द्र का प्रबंध (अप. 12.00 - 1.15 बजे)	भो	+ निदर्शन		
दिन 8	खेल/प्रतिप्राप्ति नियत कार्य की प्रस्तुति	आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा कार्यक्रम की योजना बनाना तथा उसका आयोजन + कक्षा का नियत कार्य			ज	कक्षा का कार्य आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा आयोजित करने के लिए योजना बनाना (अप. 2.15-3.45 बजे)	बच्चों में व्यवहार संबंधी आम समस्याएं (अप. 3.45 - अप. 5.00 बजे)	आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास की प्रति प्राप्ति (अप. 5.00 - 5.30 बजे)
	(ड.) पोषण एवं स्वास्थ्य (7 दिन)							
दिन 9	खेल/प्रतिप्राप्ति तथा नियत कार्य की प्रस्तुति	स्वस्थ जीवन और अच्छे पोषण का महत्व	आई सी डी एस कार्यक्रम में पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं	गर्भवती और धात्री माताओं की पोषण और स्वास्थ्य संबंधी देखभाल	न	नवजातों, शिशुओं और छोटे बच्चों (जन्म - 6 वर्ष) की पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी देखभाल + स्तनपान पर फिल्म		किशोरियों की पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15- अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30- अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
					भो	+ गृहकार्य (अगले दिन प्रस्तुत करने के लिए) (अप. 2.15-4.00 बजे)		(अप. 4.00 - 5.30 बजे)
दिन 10	खेल/प्रतिप्राप्ति/ नियत कार्य की प्रस्तुति	बच्चों में प्रोटीन कुपोषण - कारण, लक्षण, रोकथाम और प्रबंधन	बच्चों में सूक्ष्म पोषण तत्वों की कमी से होने वाली अनियमिताएं - कारण, लक्षण, रोकथाम और प्रबंधन	आंगनवाड़ी केन्द्र में पूरक पोषण आयोजित करना + कक्षा का कार्य	ज	वृद्धि की मानीटरिंग तथा बढ़ावा + निदर्शन + कक्षा का कार्य + भूमिका अभिनय वृद्धि की मानीटरिंग पर फिल्म (अप. 2.15 - अप. 4.15 बजे)		पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करना + कक्षा का नियत कार्य ● क्षेत्रीय दौरे के लिए निदेश (अप. 4.15 - 5.30 बजे)
दिन 11	शालापूर्व शिक्षा गतिविधियां आयोजित करने और पोषण सेवाएं आयोजित करने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का दौरा				न	बच्चों में उभर रहे स्थानिक रोगों की रोकथाम (अप. 2.15 - 4.00 बजे)		बच्चों में अपंगता की पहचान और

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15 -10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30 -दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15 - अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30 - अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
					भो			रोकथाम (अप. 4.00 - 5.30 बजे)
दिन 12	बाल्यावस्था के रोगों के समेकित प्रबंधन की जानकारी (पूर्वा. 9.00 - पूर्वा. 11.00 बजे)		बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना (पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15 बजे)			बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना		
दिन 13	12वें दिन की समीक्षा (पूर्वा. 9.00 - 9.30 बजे)	बाल्यावस्था के रोगों का वर्गीकरण (पूर्वा. 9.30 - 11.00 बजे)		बाल्यावस्था के रोगों का इलाज (पूर्वा. 11.00 - अप. 1.00 बजे)	ज	घरेलू देखभाल और सलाह सहित इलाज (अप. 2.00 - 5.30 बजे)		
दिन 14	13वें दिन की समीक्षा (पूर्वा. 9.00 - 9.30 बजे)	अभ्यास (बाल्यावस्था के रोगों के निर्धारण, वर्गीकरण और इलाज के लिए समुदाय का दौरा करना) (पूर्वा. 9.30 - अप. 1.15 बजे)				पोषाहार संबंधी परामर्श (अप. 2.15 - 5.30 बजे)		
दिन 15	14वें दिन की समीक्षा (पूर्वा. 9.00 -	(बाल्यावस्था के रोगों के निर्धारण, वर्गीकरण और इलाज, घरेलू देखभाल तथा परामर्श के लिए समुदाय का दौरा करना)			न	बाल्यावस्था के रोगों के समेकित घटक प्रबंधन की समीक्षा, पुनर्बलन और	वैयक्तिक स्वच्छता और पीने का सुरक्षित पानी	पोषण और स्वास्थ्य घटक की प्रतिप्राप्ति

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15-अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30-अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
	9.30 बजे)				भो	प्रतिप्राप्ति (अप. 2.15-3.15 बजे)	(अप. 3.15 - 4.30 बजे)	(अप. 4.30 - 5.30 बजे)
	च. संप्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी (4 दिन)							
दिन 16	आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी की जरूरत, महत्व और गुंजाइश (पूर्वा. 9.00 - 10.30 बजे)	अपने समुदाय को कैसे जानें ? (सामुदायिक भागीदारी पर फिल्म) (पूर्वा. 10.30 - 11.45 बजे)		आई सी डी एस कार्यक्रम में समुदाय की भूमिका (पूर्वा. 11.45 - 1.15 बजे)	ज	आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन में पंचायतों की भूमिका (अप. 2.15 - 3.45 बजे)		किसी आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समुदाय को तैयार करना (अप. 3.45 - 5.30 बजे)
दिन 17	खेल/प्रतिप्राप्ति तथा नियत कार्य की प्रस्तुति	समुदाय में महिला-मंडल बनाना	समन्वय समिति का गठन + कक्षा का नियत कार्य	समुदाय में सर्वेक्षण आयोजित करना + कक्षा का नियत कार्य + भूमिका अभिनय	न	समुदाय को जुटाने और सामुदायिक भागीदारी प्राप्त करने की तकनीकें + गृह दौरों पर फिल्म + कक्षा का नियत कार्य		आई सी डी एस के लिए समुदाय आधारित मानीटरिंग

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15- अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30- अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
		(पूर्वा. 9.15 - 10.30 बजे)	(पूर्वा. 10.30 - 11.15 बजे)	(पूर्वा. 11.15 - अप. 1.15 बजे)		(अप. 2.15 - 4.15 बजे)		(अप. 4.15 - 5.30 बजे)
दिन 18	आई सी डी एस में सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (पूर्वा. 9.00 - 10.15 बजे)	संप्रेषण प्रक्रिया (पूर्वा. 10.15 - 12.00 बजे)	आई सी डी एस कार्यक्रम में लोक और पारम्परिक मीडिया और नुक्कड़ नाटकों का इस्तेमाल (अप. 12.00 - पूर्वा. 1.15 बजे)		भो	अन्त: वैयक्तिक और सामूहिक संप्रेषण का इस्तेमाल (अप. 2.15 - 3.45 बजे)		व्यवहार संबंधी बदलाव के लिए संप्रेषण (अप. 3.45 - 5.30 बजे)
दिन 19	खेल/प्रतिप्राप्ति तथा नियत कार्य की प्रस्तुति	बच्चों और महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में समुदाय के इस्तेमाल के लिए सामाजिक संदेश और संप्रेषण सामग्री तैयार करना । + कक्षा का नियत कार्य (पूर्वा. 9.15 - 1.15 बजे)			ज	बच्चों और महिलाओं से संबंधित मुद्दों के लिए बाल मेलों, प्रदर्शनियों और समर्थन जागरूकता अभियानों की योजना बनाना और इनका आयोजन + कक्षा का नियत कार्य (अप. 3.30 - 5.00 बजे)		संप्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी की प्रतिप्राप्ति (अप. 5.00 - 5.30 बजे)
	छ. आंगनवाड़ी का प्रबंधन (2 दिन)							
दिन 20	आपूर्ति, सामग्री और साज-सामान समेत आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंधन		बैठकों की योजना बनाना और इनका आयोजन	आंगनवाड़ी केन्द्र के सामने आने वाली समस्याओं का प्रबंधन	न	अन्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के नेताओं के साथ अन्तर वैयक्तिक संबंध		सुपरवाइज़रों, एसीडीपीओ/सीडीपीओ/स्वास्थ्य

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15-10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30-दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15- अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30- अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
	+ कक्षा का नियत कार्य (पूर्वा. 9.00 - 10.30 बजे)		(पूर्वा. 10.30-11.45 बजे)	(पूर्वा. 11.45 - 1.15 बजे)	भो	(अप. 2.15 - 3.45 बजे)		कार्यकर्ताओं के साथ पत्राचार + कक्षा का नियत कार्य (अप. 3.45 - (5.30 बजे)
दिन 21	खेल/प्रतिप्राप्ति तथा नियत कार्य की प्रस्तुति	स्व विकास और स्व मूल्याकंन (पूर्वा. 9.15-11.00 बजे)	मासिक और त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट भरना और आगन्तुक पुस्तक तथा दैनिक डायरी का रखरखाव + कक्षा का नियत कार्य (पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15 बजे)		ज	आंगनवाड़ी केन्द्र में रिकार्डों और रजिस्टरों का रख-रखाव + कक्षा का नियत कार्य (अप. 2.15 - 5.00 बजे)		पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए अनुदेश (अप. 5.00 - 5.30 बजे)
	ज. अपर्यवेक्षित अभ्यास (चौथा दिन)							
दिन 22	"	आंगनवाड़ी केन्द्र में सहायिका के रूप में कार्य करना				समुदाय में सहायिका के रूप में कार्य करना		
दिन 23	"	आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना				समुदाय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना		
दिन 24	"	आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना			न	समुदाय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना		

दिन	पूर्वा. 9.00 से 9.15 बजे	सत्र 1 पूर्वाह्न 9.15 - 10.30 बजे	सत्र 2 पूर्वाह्न 10.30 - दोपहर 12.00 बजे	सत्र 3 अपराह्न 12.00 से 1.15 बजे	अपराह्न 1.15 से 2.15 बजे	सत्र 4 अपराह्न 2.15 - अप. 3.30 बजे	सत्र 5 अप. 3.30 - अप. 4.45 बजे	सत्र 6 अपराह्न 4.45 - 5.30 बजे
दिन 25		आंगनवाड़ी केन्द्र में सुपरवाइजर के रूप में कार्य करना			भो	सुपरवाइजर के रूप में बाल विकास परियोजना अधिकारी के कार्यालय में कार्य करना		
	झ. पाठ्यक्रम का अन्तिम मूल्यांकन							
दिन 26	खेल/प्रतिप्राप्ति तथा नियत कार्य की प्रस्तुति	* राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे (पूर्वा. 9.15 - 11.15 बजे)	प्रशिक्षार्थियों का मूल्याकंन (परीक्षा) (पूर्वा. 11.15 - 1.15 बजे)		ज न	प्रतिप्राप्ति और सीखने संबंधी कमियों को दूर करना (अप. 2.15 - 4.00 बजे)		समापन सत्र (अप. 4.00 - 5.30 बजे)

* गृह मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशानुसार

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की विषय-वस्तु

क. डिफ्रीज़िंग (½ दिन)

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 1		पूर्वा. 9.00-9.15 बजे	पंजीकरण	• सहभागियों का पंजीकरण और वितरण
दिन 1	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-10.30 बजे		• सहभागियों का स्वागत • संस्था/प्रभाग के प्रमुख द्वारा परिचायक भाषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का परिचय • उद्देश्यों, कार्यक्रम, अनुसूची, कार्यघंटों, सैद्धान्तिक सत्रों, अभ्यासों, पर्यवेक्षित अभ्यास, क्षेत्रीय दौरों और विशेषज्ञों का संक्षिप्त विवरण प्रशिक्षण संस्थान का परिचय • प्रशिक्षण केन्द्र के नियम और विनियम - छात्रावास, कक्षा के कमरे, स्टेशन से बाहर जाने की अनुमति, चिकित्सा/छात्रावास भत्ता आदि • प्रशिक्षण केन्द्र और इसके आसपास उपलब्ध सुविधाएं जैसे चिकित्सा, बाजार, डाकघर, टेलीफोन आदि • सहभागियों द्वारा स्व परिचय और अपने परिवार, घर तथा कार्य स्थल के बारे सूचना का आदान प्रदान पाठ्यक्रम निदेशक के लिए अनुदेश ➢ पाठ्यक्रम निदेशक कक्षा के प्रबंधन के लिए सहभागियों को बारी-बारी से कार्य कराएं, जैसे कि व्यायाम, खेल, हाजिरी, नियमितता, सौपा गया कार्य (एसाइन्मेंट) एकत्रित करना, सफाई, विशेषज्ञों को धन्यवाद देना आदि ➢ प्रत्येक दिन एक प्रशिक्षार्थी को उस दिन की रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी देनी चाहिए । यह रिपोर्ट अगले दिन कक्षा में पढ़नी चाहिए और बोर्ड पर लगानी चाहिए

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				➢ कार्यक्रम के दौरान कक्षा के कार्य के लिए सहभागियों को चार/पांच के समूह में बांटें
दिन 1	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 10.30 - अप. 1.15 बजे	अनुभवों का आदान-प्रदान	• प्रत्येक सहभागी आई सी डी एस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करें • कक्षा के विचार-विमर्श के अनुसार पाठ्यक्रम निदेशक को निम्नलिखित की सूची बनानी चाहिए • प्रशिक्षार्थियों की अपेक्षाएं • प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों का निर्धारण • क्षेत्र की कठिनाइयां और समस्याएं टिप्पणी: इस सत्र के बारे में सूचना निपसिड, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए ।

ख. बुनियादी जानकारी (1½ दिन)

दिन 1	सत्र 4	अप. 2.15-3.30 बजे	भारत/ राज्यों में बच्चों और महिलाओं की स्थिति	• निम्नलिखित सूचकों पर शहरी, ग्रामीण और जनजातीय बच्चों, किशोरियों तथा महिलाओं की स्थिति पर विचार विमर्श करना - जन सांख्यिकीय/जन्म-मरण संबंधी आंकड़े - कुल जनसंख्या - देश/राज्यों में लिंग के आधार पर बच्चों (0-6 वर्ष), किशोरियों और महिलाओं की जनसंख्या - जनसंख्या वृद्धि की दर - लिंग अनुपात - जन्म और मृत्यु के पंजीकरण का तरीका

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- लिंग और आयु समूह के आधार पर मृत्यु और जन्म दर - स्वास्थ्य संबंधी स्थिति - आयु समूह, और लिंग के आधार पर बच्चों (0-6 वर्ष) की मृत्यु दर - अशोधित मृत्यु दर - पैदाइशी कम वजन वाले शिशु - रूग्णता की परिभाषा; बाल्यावस्था के साधारण रोगों के मामले/व्याप्ति - मातृ मृत्यु दर - बच्चों और भावी माताओं की टीकाकरण स्थिति - पौषणिक स्थिति - महिलाओं और बच्चों में कुपोषण - आयु और लिंग के आधार पर कुपोषित, दुर्बल और अवरूद्ध वृद्धि वाले बच्चों की संख्या - सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी अर्थात् विटामिन ए की कमी से अंधेपन, पौषणिक रक्त अल्पता तथा आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों से ग्रस्त बच्चों की संख्या - शिक्षा - आंगनवाड़ी केन्द्र में शाला पूर्व शिक्षा के लिए लिंग के आधार पर दर्ज 3-6 वर्ष के बच्चों की संख्या - लिंग के आधार पर प्राथमिक स्कूलों में दर्ज बच्चों की संख्या - शालापूर्व और प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				– किशोरियों और महिलाओं की साक्षरता दर – जनजातिया क्षेत्रों में किशोरियों की समस्याएं • कठिन परिस्थितियों में रह रहे बच्चे अर्थात – विकलांग बच्चे – बाल श्रमिक – बेघर बच्चे – निराश्रित बच्चे – किशोर अपचारी – नशे के व्यसनी – बाल वेश्याएं और वेश्याओं के बच्चे – कैदियों, दहेज के शिकार, नशे के व्यसनियों के बच्चे – झुग्गी बस्तियों के बच्चे और प्रवासी बच्चे – एचआईवी/एड्स से पीड़ित बच्चे • बच्चों और महिलाओं संबंधी अपराध • बच्चों और महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने में आई सी डी एस कार्यकर्ताओं की भूमिका
दिन 1	सत्र 5 और 6	अप. 3.30-5.30 बजे	बच्चों और महिलाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दे	• बच्चों और महिलाओं से संबंधित उभरते हुए मुद्दों, इनके कारणों और रोकथाम के उपायों की सूची बनाना • निम्नलिखित सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श करना: ➢ बच्चों और महिलाओं का अनैतिक व्यापार

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- अनैतिक व्यापार की परिभाषा, इस समस्या की व्याप्ति, कारण और रोकथाम - अनैतिक व्यापार संबंधी अधिनियम के उपबंध - बच्चों और महिलाओं के अनैतिक व्यापार की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयास ➢ बाल श्रम - परिभाषा, कारण और व्याप्ति - विकास पर बाल श्रम का प्रभाव - बाल श्रम कानून - बाल श्रम में कमी लाने के सरकार के प्रयास ➢ नशीले पदार्थों का व्यसन - समस्या की परिभाषा और व्याप्ति - कारण (सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक) तथा बच्चे के विकास पर इसका प्रभाव - नशीले पदार्थों के व्यसन की समस्या में कमी लाने के लिए सरकार के प्रयास ➢ दहेज - दहेज मौतों का कारण - उपबंध - दहेज निषेद्य अधिनियम ➢ महिलाओं के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार और हिंसा - परिभाषा, कारण और व्याप्ति - महिलाओं के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार और हिंसा में वृद्धि के कारण

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				• बच्चों और महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने में आई सी डी एस कार्यकर्ता की भूमिका

दिन 2

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 2	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-11.00 बजे	महिलाओं और बच्चों से संबंधित संवैधानिक उपबंध, अधिकार और कानून	• बच्चों और महिलाओं हेतु संवैधानिक प्रावधान • बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (सी.आर.सी.) - उत्तरजीविता, विकास और भागीदारी के अधिकार पर अनुच्छेदों में प्रावधान और उनपर विचार विमर्श • महिलाओं से भेदभाव समाप्त करने पर कन्वेंशन (सीईडीएडब्लू) - अनुच्छेदों में प्रावधान और जेंडर समानता • बच्चों और महिलाओं से संबंधित कानून
दिन 2	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15 बजे	बच्चों और महिलाओं के विकास के लिए कार्यक्रम और नीतियां	• बच्चों और महिलाओं हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संक्षिप्त परिचय - प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, बालिका समृद्धि योजना, किशोरी शक्ति योजना, प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना और जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम जैसे कार्यक्रमों के उद्देश्यों, सेवाओं और लाभार्थियों पर विचार-विमर्श करना • निम्नलिखित राष्ट्रीय नीतियों/नीति दस्तावेजों में बच्चों और महिलाओं से संबंधित प्रावधान पर विचार-विमर्श करना - राष्ट्रीय जनसंख्या नीति - राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - राष्ट्रीय बाल नीति - राष्ट्रीय पोषण नीति - राष्ट्रीय महिला एवं बाल सशक्तिकरण नीति

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- राष्ट्रीय बाल चार्टर
दिन 2	सत्र 4	अप. 2.15-4.00 बजे	बालिका की स्थिति और मीना नामक प्रयास	• भारत में बालिका (किशोरियों सहित) की स्थिति • बालिकाओं की जरूरतें और उनके अधिकार • जेंडर भेदभाव से जुड़े कारण और घटक • बालिकाओं के विकास के लिए सरकार की योजनाएं, कार्यक्रम और नीतियां • यूनिसेफ की मीना नामक प्रयास • मीना पर फिल्म और उसके बाद विचार-विमर्श
दिन 2	सत्र 5 और 6	अप. 4.00-5.30 बजे	स्व: सहायता समूहों के जरिए महिला सशक्तिकरण	• सशक्तिकरण - अवधारणा, परिभाषा और जरूरत • आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र और गुंजाइश तथा शिक्षा के जरिए सशक्तिकरण • स्व सहायता समूह - समुदाय में स्व सहायता समूहों का गठन और उनका कार्य संचालन - राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में सफल स्व सहायता समूह • महिला सशक्तिकरण पर फिल्म और विचार-विमर्श

ग. आई सी डी एस कार्यक्रम (2 दिन)

दिन 3

दिन 3	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-11.30 बजे	आई सी डी एस कार्यक्रम का परिचय	• आई सी डी एस कार्यक्रम, उद्देश्य, सेवाएं, लाभार्थी, जनसंख्या कवरेज़ और आई सी डी एस कार्यक्रम की पहुंच • आई सी डी एस कार्यकर्ता • आई सी डी एस कार्यक्रम का संगठनात्मक और प्रशासनिक ढांचा तथा राज्य/

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				जिला/खंड/परियोजना स्तर पर आई सी डी एस में स्टाफ रखने का तरीका • सेवा प्रदाय के केन्द्र बिन्दु के रूप में आंगनवाड़ी • आई सी डी एस के कार्यान्वयन में महिला एवं बाल विकास विभाग और राज्य विभाग की भूमिका • आई सी डी एस कार्यक्रम में समुदाय आधारित सफल मध्यस्थताओं समेत नए प्रयास और प्रवृत्तियां
दिन 3	सत्र 2	पूर्वा. 11.30-1.15 बजे	आई सी डी एस प्रशिक्षण का ढांचा और उपागम (अप्रोच)	• प्रशिक्षण का ढांचा, प्रशिक्षण का प्रकार और इसकी अवधि • आई सी डी एस कार्यक्रम के प्रशिक्षण में मध्यस्तरीय प्रशिक्षण केन्द्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों, राज्य प्रशिक्षण केन्द्रों के अनुदेशकों की भूमिका और कार्यदायित्व • आई सी डी एस प्रशिक्षण में महिला एवं बाल विकास विभाग, निपसिड और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों की भूमिका • उदिशा परियोजना और महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक मार्गदर्शी सिद्धान्तों की मुख्य विशेषताएं • आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों/मध्यस्तरीय प्रशिक्षण केन्द्रों/राज्य प्रशिक्षण संस्थानों में आई सी डी एस प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ई एफ सी मानदंड
दिन 3	सत्र 3	अप. 2.15-3.30 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र स्थापित करना	• आंगनवाड़ी केन्द्र स्थापित करने के लिए गांवों की पहचान करना • आंगनवाड़ी केन्द्र की स्थापना के लिए गांव का सर्वेक्षण करना और समुदाय से संपर्क बनाना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				• ऐसे उचित स्थान और भवन का पता लगाना जहां भीतर और बाहर पर्याप्त जगह खाना पकाने और धुलाई की जगह हो, खाद्य पदार्थों के भंडारण, साज सामान और बर्तन रखने की जगह हो । स्वच्छ पेयजल की सुविधा हो, माताओं की बैठक के लिए जगह, शौचालय आदि हो । • आंगनवाड़ी केन्द्र में साज सामान, खाद्य सामग्री और दवाइयों की उपलब्धता • श्रव्य दृश्य सहायक सामग्री और उपकरण – फिल्म प्रोजेक्टर, बीडियो प्लेअर, टी.वी. आदि
दिन 3	सत्र 4 और 5	अप. 3.30 – अप. 5.00 बजे	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका तथा कार्यदायित्व	• आयोजक, समन्वयकर्ता, सम्प्रेषक तथा परामर्शदाता, शिक्षक तथा कार्यान्वयनकर्ता और प्रबंधक व नेता के रूप में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका तथा कार्यदायित्वों पर विचार विमर्श करना । • स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा विभाग ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जैसे सरकारी मंत्रालयों तथा विभागों के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका
दिन 3	सत्र 6	पूर्वा. 5.00 – अप. 5.30 बजे	कक्षा का कार्य	• आई सी डी एस परियोजना पर एक लेख तथा आंगनवाड़ी केन्द्र में सेवाओं में प्रदाय की व्यवस्था करना

दिन 4

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 4	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-10.30 बजे	आई सी डी एस के अन्य कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य तथा	• सीडीपीओ/एसीडीपीओ/सुपरवाइजरों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा सहायिकाओं की भूमिका तथा कार्यदायित्व पर विचार-विमर्श करना । • आई सी डी एस कार्यक्रम में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (ए एन एम/एल एच वी/एम ओ) की भूमिका पर विचार विमर्श करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			ख्ंड कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा कार्य दायित्व	● आई सी डी एस में खंड विकास अधिकारी, शिक्षा अधिकारी आदि जैसे अन्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विचार विमर्श करना ● आई सी डी एस तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाए रखना
दिन 4	सत्र 2	पूर्वा. 10.30-11.45 बजे	स्वास्थ्य संबंधी ढांचा	● आई सी डी एस हिताधिकारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तरों (केन्द्र, राज्य, जिला, खंड स्तर) पर स्वास्थ्य संबंधी ढांचा ● सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा उप केन्द्र में उपलब्ध सेवाएं
दिन 4	सत्र 3	पूर्वा. 11.45 - अप. 1.15 बजे	आई सी डी एस कार्यक्रम के लिए सरकारी विभागों/ मंत्रालयों के साथ पारस्परिक संबंध/ समन्वय (स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं प्रसारण)	● आंगनवाड़ी केन्द्र में सेवाओं के समन्वय की जरूरत और महत्व ● अन्य सरकारी मंत्रालयों/विभागों के साथ तालमेल (1) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (2)शिक्षा विभाग (3)ग्रामीण विकास मंत्रालय (4)सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ राज्य स्तर पर प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय मलेरिया रोगी कार्यक्रम, अंधेपन के नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम, राष्ट्रीय टी बी नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, आयोडीन की कमी से होने वाले विकरण के नियंत्रण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, देशव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम और दस्त संबंधी रोगों पर नियंत्रण कार्यक्रम योजनाओं और कार्यक्रमों के साथ समन्वय और संपर्कों पर विचार विमर्श करना । - शिक्षा विभाग

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- महिलाओं तथा बच्चों हेतु शिक्षा विभाग के सर्व शिक्षा अभियान : वैकल्पिक शिक्षा योजना; तथा जिला प्राथमिक शिक्षा जैसी योजनाओं कार्यक्रमों के साथ समन्वय और संपर्कों पर विचार विमर्श करना - ग्रामीण विकास मंत्रालय ग्रामीण विकास मंत्रालय के पंचायती राज; कार्यात्मक कार्यक्रम हेतु भोजन: प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना: राष्ट्रीय समाज सहायता कार्यक्रम; अन्नपूर्णा; केन्द्रीय ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम तथा त्वरित ग्रामीण जल आपूर्ति कार्यक्रम जैसी योजनाओं तथा कार्यक्रमों के साथ समन्वय तथा संपर्कों पर विचार विमर्श - सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, क्षेत्रीय प्रचार विभाग के साथ आई सी डी एस कार्यकर्ताओं के संपर्कों एवं समन्वय पर विचार विमर्श करना
दिन 4	सत्र 4	अप. 2.15 – अप. 3.45 बजे	आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से अपेक्षित सम्प्रेषण एवं परामर्श कुशलताएं	• सम्प्रेषण तथा परामर्श शब्दों की परिभाषा • आई सी डी एस कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु कारगर सम्प्रेषण एवं परामर्श की जरूरत एवं महत्व • आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से अपेक्षित सम्प्रेषण कुशलताएं – पूछना, सुनना, जांच करना, सलाह और पुष्टि - माताओं से बातचीत करते हुए याद रखने योग्य बातें - शब्दों, अभिव्यक्ति, मुद्राओं, पहनावे, रवैये द्वारा कैसे समझाया जाए • परामर्शी कुशलताएं - परामर्श का महत्व और जरूरत - परामर्श कुशलताएं क्या हैं ? - माता/पिता/परिवार के किसी बड़े को परामर्श के लिए अपेक्षित उपाय और कुशलताएं

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				• चार बच्चों की मां को उसकी बेटी को स्कूल भेजने का परामर्श देने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय । सम्प्रेषण और परामर्श कुशलताओं का प्रदर्शन
दिन 4	सत्र 5	अप. 3.45 – अप. 5.00 बजे	महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी अनुदेशक तथा मार्गदर्शी सिद्धान्त	महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आई सी डी एस कार्यक्रम के संबंधित में जारी महत्वपूर्ण परिपत्रों, अनुदेशों व मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर विचार विमर्श (स्व अध्ययन के लिए किट में देने हेतु परिपत्रों की प्रतियां)
दिन 4	सत्र 6	अप. 5.00 – अप. 5.30 बजे	आई सी डी एस घटक की प्रतिप्राप्ति	ब्रेनस्टारमिंग/प्रश्नोत्तरी द्वारा प्रतिप्राप्ति तथा सीखने संबंधी कमियों को दूर करना ।

घ. आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास (ई सी सी डी) (4 दिन)

दिन 5

दिन 5	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-11.15 बजे	बाल विकास की परिभाषा, अवधारणा, जरूरत और प्रक्रिया	• बाल विकास की परिभाषा • वृद्धि तथा विकास की अवधारणा और परिभाषा • आरंभिक बाल्यावस्था का महत्व तथा स्वास्थ्य, पोषण, प्यार/देखभाल, माता पिता की सहायता आदि से संबंधित बच्चों की जरूरतें • बाल विकास की अवस्थाएं • बाल विकास के पहलू/क्षेत्र • बाल विकास की प्रक्रिया और पद्धति तथा विशेषताएं • विकास के चरण-प्रसव पूर्व, जन्म, शैशवावस्था 1-2 वर्ष, 2-3 वर्ष तथा 3-6 वर्ष

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				● आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षण तथा व्यक्तित्व विकास और संबंद्ध घटकों को बढ़ावा देना ● बाल विकास में परिवार की भूमिका - घर का वातावरण - परिवार का ढांचा, एकल तथा संयुक्त परिवार, माता-पिता में से एक वाले तथा महिला प्रधान परिवारों के फायदे तथा नुकसान ● - परिवार की समाजार्थिक स्थिति - परिवार का आकार, जन्मक्रम तथा जेंडर - परिवार के सदस्यों के बीच संबंध ● अभिभावकीय कुशलताएं ● बाल देखभाल की परंपरागत प्रथाएं
दिन 5	सत्र 2	पूर्वा. 11.15-अप. 12.00	बाल विकास पर फिल्म	● बाल विकास पर फिल्म के बाद विचार-विमर्श
दिन 5	सत्र 3	अप. 12.00 - अप. 1.15 बजे	आई सी डी एस में आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा	● आई सी डी एस में आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा की अवधारणा, जरूरत और महत्व ● ई सी सी ई के अन्तर्गत सेवाएं - आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण (जन्म से 3 वर्ष) : परिभाषा, अवधारणा, जरूरत और उद्देश्य - शालापूर्व शिक्षा (3-6 वर्ष) : परिभाषा, अवधारणा, जरूरत और महत्व

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				● स्कूल के लिए तैयार करना - अवधारणा और जरूरत - स्कूल के लिए तैयार करने में शालापूर्व और आंगनवाड़ी केन्द्र का महत्व और भूमिका
दिन 5	सत्र 4	अप. 2.15 - अप. 4.00 बजे)	आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण की गतिविधियां (जन्म - 3 वर्ष)	● विशिष्ट आयु पर विचार विमर्श और निदर्शन-जन्म से 6 महीने 6-12 महीने, 1 वर्ष, 2 वर्ष, 3 वर्ष, 4 वर्ष, 5 वर्ष और 6 वर्ष के बच्चों के लिए विशिष्ट आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण गतिविधियां ● आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण में मां तथा परिवार की भूमिका ● आरंभिक बाल्यावस्था उत्प्रेरण गतिविधियां दर्शाने के लिए प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय
दिन 5	सत्र 5	अप. 4.00 - अप. 5.30 बजे	शालापूर्व शिक्षा का महत्व और शालापूर्व बच्चे की विशेषताएं	● शालापूर्व शिक्षा का महत्व ● शालापूर्व बच्चे की विशेषताएं आत्मकेन्द्रित, जिज्ञासु, ज्यादा देर ध्यान न लगा पाना, सीखने की जल्दी उत्सुकता, सहज गतिविधियों में आनंद उठाना, सिखाने वाला, दोहराने में आनंद उठाना, संगीत/गीतों आदि के प्रति प्रतिक्रिया ● शालापूर्व गतिविधियां आयोजित करने की कुशलताएं

दिन 6

दिन 6	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-अप. 11.00	शालापूर्व आयु में बच्चों के भौतिक और गतिशीलता विकास के लिए	● आरंभिक वर्षों में शारीरिक और गतिशीलता विकास की जरूरत और महत्व ● शारीरिक और गतिशीलता विकास हेतु गतिविधियां - बड़ी मांसपेशियों के तालमेल और विकास हेतु गतिविधियां - सूक्ष्म मांसपेशियों के तालमेल और विकास हेतु गतिविधियां

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			गतिविधियां	● निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत शारीरिक और गतिशीलता विकास के लिए आयु विशिष्ट गतिविधियां करके दिखाना तथा समझाना: (क) मोटी/बड़ी मांसपेशियों का तालमेल तथा विकास - दौड़ने, उछलने, कूदने, भागने, नाचने, रस्सी कूदने, खीचनें व धकेलने और छुपन-छुपाई, नेतृत्व, रस्साकशी, रस्सी तथा टायर और गेंद के साथ संतुलन बनाने जैसे बाह्य खेल व गतिविधियां - आंतरिक खेल - सीधी या आड़ी रेखा पर चलना, रस्सी पर आड़ी-तिरछी रेखा, रस्सी के अन्दर व ऊपर रेंगना, सरकना, लुढ़कना, फेंकना, व पकड़ना (ख) सूक्ष्म मांसपेशियों का तालमेल तथा विकास - सिखाया गया और स्वच्छ खेल, अभिनय गीत, पिरोने, छांटने, मिट्‌टी के खिलौने बनाने, मोड़ने, चिपकाने, चित्रकारी, पेंटिंग, कागज मोड़ने फाड़ने, काटने व चिपकाने, नमूना बनाने और मनके पिरोने आदि जैसी गतिविधियां ।
दिन 6	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 11.00 - अप. 1.15 बजे	शालापूर्व आयु के बच्चे के संज्ञानात्मक विकास हेतु गतिविधियां	● आरंभिक वर्षो में संज्ञानात्मक विकास की जरूरत और महत्व ● निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत संज्ञानात्मक विकास आयु विशिष्ट गतिविधियां करके दिखाना व समझाना (क) निम्नलिखित क्षेत्रों में बुनियादी संज्ञानात्मक कुशलताओं के विकास हेतु गतिविधियां: - पांच संवेदों का विकास - सुनना, स्पर्श, सूंघना, देखना और स्वाद - याददाश्त और अवलोकन - वर्गीकरण - क्रमवार सोच

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- कारण और समस्या समाधान (ख) निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत बुनियादी अवधारणाओं के विकास हेतु गतिविधियां - रंग की अवधारणा जैसी वस्तुओं के मिलान, इनकी पहचान, इनका नाम बताना - आकार की अवधारणा जैसे चौरस, गोल, आयतकार तथा त्रिकोना आदि - अंक पूर्व अवधारणा का विकास - अंक पूर्व की अवधारणा जैसे बड़ा और छोटा, मोटा और पतला, लम्बा और छोटा, ऊंचा और छोटा, भारी और हल्का आदि - संख्याओं की अवधारणा जैसे 1-10 तक की संख्या, अनेक, कम आदि - जगह की अवधारणा जैसे ऊपर-नीचे, अन्दर-बाहर, आगे-पीछे, बायें-दायें आदि - समय की अवधारणा जैसे पहले और पीछे, सुबह और शाम, दिन और रात - तापमान की अवधारणा जैसे गर्म और ठण्डा - वातावरण की अवधारणा जैसे प्राकृतिक, भौतिक और सामाजिक जैसे पौधे, पेड़, फल, पशु-पक्षी, सब्जियां, यातायात, प्राकृतिक भ्रमण - वैज्ञानिक अवधारणाओं का विकास जैसे बीज बौना, पौधे उगाना, पानी गिरना आदि
दिन 6	सत्र 4	अप. 2.15-अप. 3.45	शालापूर्व आयु में बच्चों के भाषाई विकास के लिए	• आरंभिक वर्षो में भाषाई विकास की जरूरत और महत्व • निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत भाषाई विकास के लिए आयु-विशिष्ट गतिविधियां करके दिखाना और समझाना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			गतिविधियां	- सुनने तथा बोलने की कुशलताओं का विकास - ध्वनि भेद, सुनने की अवधि, सुनकर समझना - शरीर के अंगों, घर, वातावरण आदि से संबंधित शब्दावली का विकास - मौखिक अभिव्यक्ति का विकास - वार्तालाप, कहानी सुनाना, नाटकीकरण और कठपुतली का खेल, चित्र में समझना और सृजनात्मक आत्मभिव्यक्ति - पढ़ने की तत्परता का विकास - श्रवण/ध्वनि संबंधी भेद, सुनने तथा देखने का संबंध, बांए से दाएं दिशा - लिखने संबंधी तत्परता का विकास - सूक्ष्म मांसपेशियों का विकास, आंख-हाथ का तालमेल तथा अक्षर बोध • प्राकृतिक भ्रमण - प्राकृतिक भ्रमण आयोजित करने के उपायों तथा ये भाषाई विकास में कैसे मदद करते हैं उसपर विचार-विमर्श करना ।
दिन 6	सत्र 5	अप. 3.45 - अप. 5.15 बजे	शालापूर्व आयु में बच्चों के मनोसामाजिक विकास के लिए गतिविधियां	• आरंभिक वर्षों में मनोसामाजिक विकास की जरूरत और महत्व • निम्नलिखित क्षेत्रों में मनोसामाजिक विकास के लिए आयु विशिष्ट गतिविधियां दिखाना और समझाना (क) अपने संबंध में विकास - आंगनवाड़ी केन्द्र में अपने बारे में सकारात्मक सोच - अच्छी व्यक्तिगत आदतें - पहल करने, स्वावलम्बन और नेतृत्व की विशेषताओं का विकास - भावनाओं की पहचान और नियंत्रण की क्षमता (ख) दूसरे बच्चों के संबंध में विकास

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- दूसरे बच्चों की भावनाओं तथा अधिकारों का सम्मान करने की क्षमता - आत्म विश्वास का विकास (ग) बड़ों के संबंध में विकास - बड़ों के साथ बेहतर संबंध रखने की योग्यता - बड़ों को सुनना और उनके आदेशों का पालन करना - अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना तथा स्थिति का सामना करना (घ) पर्यावरण के संबंध में विकास - परानुभूति की भावना, बड़ों, अपंगों तथा जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया, पेड़-पौधों, पशुओं और जीवन के अन्य रूपों के लिए देखभाल और पोषण की भावना का विकास ।
		अप. 5.15 - 5.30 बजे	प्राकृतिक भ्रमण के लिए अनुदेश	पाठ्यक्रम निदेशक सहभागियों को निदेश देने तथा प्राकृतिक भ्रमण के दौरान देखने और इकट्ठी की जाने वाली वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे ।

दिन 7

दिन 7	सत्र 1	पूर्वा. 9.00 - 10.30 बजे	प्राकृतिक भ्रमण	• प्रशिक्षार्थियों को प्राकृतिक भ्रमण के लिए ले जाना (1 घंटा) • प्राकृतिक भ्रमण के दौरान क्या देखा तथा कौन सी सामग्री एकत्रित की इस पर विचार विमर्श करना • कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार करने के लिए इकट्ठी की गई सामग्री छांटना
दिन 7	सत्र 2	पूर्वा. 10.30 - अप. 12.00 बजे	शालापूर्व आयु में बच्चों के सृजनात्मक	• बच्चों में सृजनात्मकता, सौंदर्यपरक अभिव्यक्ति और विज्ञान की जानकारी की जरूरत और महत्व • निम्न क्षेत्रों में सृजनात्मकता, सौंदर्यपरक अभिव्यक्ति और विज्ञान की जानकारी के

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			सौंदर्यपरक अभिव्यक्ति और विज्ञान की जानकारी के विकास की गतिविधियां	विकास के लिए आयुविशिष्ट गतिविधियां करके दिखाना और समझाना (क) कला के जरिए सृजात्मक अभिव्यक्ति का विकास, बच्चों को रेखा चित्र बनाने, आकर्षक पेंटिंग, मिट्टी के खिलौने बनाने, मोती पिरोने, पेपर क्राफ्ट मूर्ति बनाने और गुड़िया बनाने के कार्य में शामिल करना (ख) आकाश में पंतग उड़ाने, तितलियां पकड़ने की कल्पना जैसे सृजनात्मक कार्य (बच्चे बोलेंगे नहीं पर इशारों से करके बतायेंगे) (ग) प्रश्नोत्तरी, पहेलियों, अन्ताक्षरी, मुक्त नाटक आदि द्वारा सृजनात्मक सोच (घ) उनके आस पास के वातावरण में व्याप्त रंग और सौंदर्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करके सौंदर्य की अनुमति (ड.) विज्ञान की जानकारी (वायु, जल, बीज, पेड़ पौधों आदि के संदर्भ में) बच्चों के लिए प्रकृति/विज्ञान की जानकारी जैसे बीज बोने, पौधे लगाना, पानी के खेलों आदि से संबंधित गतिविधियां आयोजित करना ।
दिन 7	सत्र 3	अप. 12.00 - 1.15 बजे	शालापूर्व शिक्षा की गतिविधियों के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंध	• आंगनवाड़ी केन्द्र में गतिविधियों के लिए जगह होनी चाहिए । (क) आंतरिक गतिविधियां जैसे: - बड़े और छोटे समूहों में गतिविधियां और व्यक्तिगत कार्य - बच्चों के लिए आंख की सीध पर चार्ट, इश्तिहार आदि लगाने की व्यवस्था - बच्चों का कार्य प्रदर्शित करने की व्यवस्था - शालापूर्व शिक्षा उपसकर और सामग्री के भंडारण के लिए स्थान - ब्लेक बोर्ड कम ऊंचाई पर लगाना - पीने का पानी और भोजन परोसने का स्थान - कम ऊंची मेजें और बैठने के लिए चटाई और दरियां

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				(ख) बाहर खेले जाने वाले खेल (ग) विशिष्ट गतिविधि के लिए स्थान - गुडियों, ब्लाकों का स्थान, प्रदर्शनी स्थान, चित्रों वाली किताबों की जगह, विज्ञान और खिलौनों की जगह ● आंगनवाड़ी केन्द्र को शालापूर्व गतिविधियों के लिए सजाना ● खेल उपकरण और सामग्री - राज्य सरकार से प्राप्त शालापूर्व उपकरणों के बारे में चर्चा - आंगनवाड़ी केन्द्र में उपलब्ध आन्तरिक व बाह्य खेल उपकरण सामग्री
दिन 7 पत्रों,	सत्र 4-6	अप. 2.15 - 5.30 बजे	कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार व इस्तेमाल करना	● खेल, शालापूर्व सामग्री/सहायक सामग्री का महत्व ● शालापूर्व शिक्षा सामग्री/सहायक सामग्री तैयार करने के लिए प्राकृतिक भ्रमण के दौरान इकट्ठी की गई स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री/संसाधनों जैसे मोती, पुराने कपड़े, माचिस की डिब्बी, धागे, रूई, ऊन, ढक्कन, बोतलें, पत्रिकाएं, समाचार गत्ते, लकड़ी के ब्लाक और डंडियों का इस्तेमाल कक्षा का कार्य: कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार करना ● प्रशिक्षकों को बाल विकास के चार क्षेत्रों से संबंधित कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार करने के लिए चार समूहों में बांटा जाएगा - प्रत्येक समूह को बाल विकास के एक क्षेत्र के लिए कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार करनी होगी । - प्रशिक्षकों को कम लागत की शालापूर्व शिक्षा सामग्री तैयार करने के लिए अपेक्षित सामग्री उपलब्ध करानी होगी । - प्रशिक्षार्थियों को सामग्री तैयार करने के लिए प्राकृतिक भ्रमण के दौरान

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				इकट्ठी की गई सामग्री इस्तेमाल करनी होगी । • राज्य सरकार द्वारा दी गई शालापूर्व शिक्षा किट के इस्तेमाल का निदर्शन • कक्षा में प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार की गई शालापूर्व शिक्षा सामग्री का प्रदर्शन

दिन 8

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 8	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.15 - अप. 1.15 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व कार्यक्रम की आयोजना करना और उसका आयोजन	• शालापूर्व शिक्षा कार्यक्रम की आयोजना की जरूरत • शालापूर्व गतिविधियों की योजना बनाने का उद्देश्य और मिश्रित दृष्टिकोण • शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों के आयोजन में खेल-खेल में सीखने का तरीका • शालापूर्व शिक्षा कार्यक्रम की योजना और उसके आयोजन के समय याद रखने योग्य बातें • शालापूर्व शिक्षा के लिए गतिविधियों की योजना बनाने के चरण - गतिविधियों के क्रम का निर्णय लेना (विशेषज्ञ बाल विकास के प्रत्येक दौर के लिए क्रमानुसार गतिविधियों की सूची देगें) - प्रत्येक गतिविधि के लिए समय का निर्धारण - शालापूर्व शिक्षा सामग्री की पहचान - दिन/सप्ताह/मास/वर्ष के लिए समय सारणी तैयार करना - बच्चे के विकास के निर्धारण का महत्व, जरूरत और तरीका - अवलोकन (3-4½ वर्ष) - कार्य शीटें (4½ - 6 वर्ष) - रिपोर्ट कार्ड तैयार करना - बच्चे के विकास की चर्चा माता-पिता के साथ करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				● कक्षा का कार्य: बच्चे की रिपोर्ट कार्ड तैयार करना - प्रशिक्षकों को सभी प्रशिक्षार्थियों को रिपोर्ट कार्ड के खाली प्रपत्र देने होंगे - प्रत्येक सहभागी को पाठ्यक्रम निदेशक द्वारा दिए गए फार्मेट के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना होगा । - प्रशिक्षार्थियों को 3-4 रिपोर्ट कार्डो पर विचार-विमर्श करके बाकी के रिपोर्ट भरने की जांच करनी होगी । - दो सहभागियों को बच्चे की रिपोर्ट कार्ड पर उसके माता-पिता के साथ विचार-विमर्श करने पर भूमिका अभिनय करने के लिए कहना ।
दिन 8	सत्र 4	अप. 2.15 - 3.45 बजे	कक्षा का नियत कार्य: आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व गतिविधियों के आयोजन की योजना	● कक्षा का नियत कार्य: आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों के आयोजन की योजना बनाना (सामूहिक कार्य) - शालापूर्व शिक्षा सामग्री का इस्तेमाल करते हुए आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों के आयोजन हेतु योजना तैयार करने के लिए सहभागियों को चार समूहों में बांटना - एक दिन/सप्ताह के लिए समय सारणी तैयार करना - समूह के नेताओं द्वारा योजना का प्रस्तुतिकरण और उस पर विचार विमर्श
दिन 8	सत्र 5	अप. 3.45 - 5.00 बजे	बच्चों में व्यवहार संबंधी सामान्य समस्याएं	● बच्चों में व्यवहार संबंधी निम्नलिखित सामान्य समस्याओं - उनके लक्षण और इनसे जुड़े हुए कारणों पर विचार विमर्श करना - झगड़ालू - पीछे-पीछे रहना/शर्मीलापन - दिन/रात में बिस्तर गीला करना - अतिसक्रियता

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- डर - कामचोरी - नाखून चबाना/अंगूठा चूसना - हकलाना - भाषा विकास में देरी - निर्भरता ● व्यवहार संबंधी सामान्य समस्याओं से ग्रस्त बच्चों की पहचान करना और उन पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना तथा उनके लिए विशेष गतिविधियां आयोजित करना
दिन 8	सत्र 6	अप. 5.00 - 5.30 बजे)	आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास पर प्रतिप्राप्ति	● प्रश्नोत्तरी/ब्रेनस्टामिंग के जरिए आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और विकास घटक की प्रतिप्राप्ति ● सीखने संबंधी कमियां दूर करना

(ड.) पोषण एवं स्वास्थ्य (7 दिन)

दिन 9

दिन 9	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-10.30 बजे	स्वस्थ रहन-सहन और अच्छे पोषण का महत्व	● भोजन, पोषक तत्वों और पोषण की परिभाषा ● अच्छे पोषण का महत्व ● वृद्धि और विकास, रोगों से सुरक्षा और ऊर्जा देने में भोजन के कार्य - भोजन और पोषक तत्वों के स्त्रोत ● मिली-जुली/संतुलित खुराक की जरूरत और महत्व

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 9	सत्र 2	पूर्वा. 10.30 - अप. 12.00	आई सी डी एस कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं	● आई सी डी एस के अंतर्गत पोषाहार संबंधी सेवाएं - पूरक पोषाहार, वृद्धि की मानीटरिंग और पोषण तथा स्वास्थ्य शिक्षा - पूरक पोषाहार - पूरक आहार - पौषणिक अनुपूरक - विटामिन ए और लौह तत्व तथा फोलिक एसिड की गोलियां - वृद्धि की मानीटरिंग और इसे बढ़ावा देना - जन्म के बाद बच्चे की वृद्धि की अवधारणा, जरूरत और महत्व - पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा - पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा, जरूरत और महत्व ● आई सी डी एस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं - बच्चों तथा भावी और धात्री माताओं की स्वास्थ्य जांच - टीकाकरण - किट की दवाइयों से बाल्यावस्था की साधारण और मामूली बीमारियों का इलाज - रेफरल सेवाएं
दिन 9	सत्र 3	अप. 12.00-1.15 बजे	भावी और धात्री माताओं की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल	● भावी और धात्री माताओं की पौषणिक देखभाल - गर्भावस्था और दूध पिलाने की अवधि के दौरान अतिरिक्त आहार की जरूरत - अपर्याप्त खुराक और शारीरिक तकलीफ का नवजात शिशु के पैदाइशी वजन पर प्रभाव - गर्भावस्था और दूध पिलाने की अवधि के दौरान पूरक आहार के सेवन से संबंधित अच्छी प्रथाएं, इससे जुड़ी भ्रांतियां और धारणाएं ● गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य देखभाल

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- आंगनवाड़ी केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में शीघ्र पंजीकरण - प्रसवपूर्व, प्रसवकालीन तथा प्रसव के बाद की देखभाल - प्रसवपूर्व देखभाल - स्वास्थ्य जांच, भोजन और पौषणिक अनुपूरक, टीकाकरण, वैयक्तिगत स्वच्छता, व्यायाम और आराम - आंगनवाड़ी केन्द्र में दिए जाने वाले पूरक आहार और पौषणिक अनुपूरक • संभावित खतरे वाली गर्भवती महिलाएं • गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के समय खतरे और चेतावनी के लक्षण • सुरक्षित प्रसव के लिए तैयारी करना/ पांच प्रकार की स्वच्छता • धात्री माता की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल
दिन 9	सत्र 4	अप. 2.15-4.00 बजे	नवजातों, शिशुओं और छोटे बच्चों (जन्म-6 वर्ष) की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल	• नवजात शिशु की देखभाल - नवजात शिशु की विशेष देखभाल - नहलाना,वजन लेना, बच्चे को गर्म रखना, स्तनपान शुरू कराना - नवजात शिशुओं में खतरे के लक्षण - पैदाइशी कम वजन के शिशु की देखभाल - शिशुओं (6 महीने तक की आयु के) की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल, आहार देना, टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच - स्तनपान कराना - खीस (पहला दूध) शीघ्र पिलाना - स्तनपान का महत्व और फायदे - छः महीने तक सिर्फ स्तनपान का महत्व - स्तनपान के दौरान माता और बच्चे की सही स्थिति - बोतल से दूध पिलाने और स्तनपान से पूर्व कोई अन्य आहार देने के नुकसान

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- शिशु और छोटे बच्चे के आहार पर राष्ट्रीय मार्गदर्शी सिद्धान्त ● स्तनपान पर फिल्म और उसके बाद विचार-विमर्श ● 6 महीने से दो वर्ष की आयु तक के बच्चों की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल - दो वर्ष से कम आयु के बच्चों की पौषणिक जरूरतें - टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पौषणिक अनुपूरक (विटामिन ए और लौह तत्व फोलिक एसिड की गोलियां) ● अनुपूरक आहार देना, खाद्य पदार्थों की जरूरत और प्रकार ● अनुपूरक आहार पर मार्गदर्शी सिद्धान्त - अनुपूरक आहार समय पर देना शुरू करना - अनुपूरक आहार की बारंबारता, मात्रा और गाढ़ापन - बच्चे के लिए पारिवारिक भोजन में परिवर्तन करना - अनुपूरक आहार तैयार करने और खिलाने के दौरान आहार का रखरखाव करना ● सक्रिय रूप से आहार देना ● 2 से 6 वर्ष के बच्चों की आयु के अनुसार पौषणिक जरूरतें - टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पौषणिक अनुपूरकों (विटामिन ए और लौह तत्व फोलिक एसिड की गोलियां) की पूर्ति ● छ: वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए पौषणिक आहार तैयार करने हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत - पारिवारिक भोजन में से आहार खिलाना - आहार की मात्रा, गाढ़ेपन और बारम्बारता पर विचार-विमर्श ● बीमारी के दौरान बच्चे को आहार देना ● खाद्य पदार्थों का पौषणिक मूल्य बढ़ाना - आहार के पौषणिक स्तर में सुधार लाने के उपाय - खाना पकाते समय पोषक तत्व नष्ट होने से बचाना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- खाद्य पदार्थों का पुष्टिकरण ● आहार संबंधी प्रथाएं - बच्चों को आहार देने से जुड़ी भ्रान्तियां ● गृह कार्य - प्रशिक्षार्थी बच्चों के पूरक आहार की दो पौष्टिक व्यजंन विधियां लिखें, इनमें से एक विधि दो वर्ष से कम उम्र के और दूसरी 2 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए हो । इसे अगले दिन कक्षा में प्रस्तुत करें ।
दिन 9	सत्र 5	अप. 4.00-5.30 बजे	किशोरियों की पौषणिक और स्वास्थ्य देखभाल	● किशोरावस्था की परिभाषा ● किशोरावस्था के दौरान शारीरिक परिवर्तन - मासिक धर्म - मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत सफाई रखना ● किशोरावस्था के दौरान लड़कियों की पौषणिक और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें - किशोरावस्था के दौरान खुराक - लौह तत्व की मात्रा बढ़ाने की जरूरत - किशोरियों को लौह तत्व और फोलिक एसिड के अनुपूरक देना ● किशोरों को समझना - माता-पिता की भूमिका ● किशोरियों के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएं और कार्यक्रम - किशोरी शक्ति योजना और आई सी डी एस में इसका कार्यान्वयन

दिन 10

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 10	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-10.30 बजे	बच्चों में प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण के कारण, लक्षण, इसकी रोकथाम और प्रबंधन	● कुपोषण - कुपोषण की परिभाषा, इसका चक्र, प्रभाव और कारण ● कुपोषण का वर्गीकरण और निर्धारण - अल्प पोषण, दुर्बलता, वृद्धि अवरोध - कुपोषण के ग्रेड (वृद्धि चार्टों का इस्तेमाल) ● प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण - प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण का प्रकार - क्वाशियोरकर, सूखा रोग

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण के कारण और लक्षण ● गर्भावस्था, शैशवकाल, 6 महीने से एक वर्ष की आयु तथा 2 से 6 वर्ष तक की आयु के दौरान प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण की रोकथाम और प्रबंधन ● अत्यंत गंभीर कुपोषण के मामलों को रेफर करना
दिन 10	सत्र 2	पूर्वा. 10.30-12.00 बजे	बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी : कारण, लक्षण, रोकथाम और प्रबंधन	● सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से होने वाले निम्नलिखित रोगों की शीघ्र पहचान, कारण, लक्षण, रोकथाम और घरेलू प्रबंधन: - विटामिन ए की कमी - लौह तत्व की कमी के कारण होने वाली खून की कमी - आयोडीन की कमी से होने वाले विकार ● आंगनवाड़ी केन्द्र में दी जाने वाली सेवाएं (दोहराना)
दिन 10	सत्र 3	दोपहर 12.00-1.15 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र में पूरक पोषाहार का आयोजन करना	● पूरक आहार देना - उद्देश्य और महत्व - लाभार्थियों के चयन के मान दंड - मानक और बजट का प्रावधान - पूरक आहार की अधिप्राप्ति और भंडारण - पूरक आहार का प्रकार, विश्व खाद्य कार्यक्रम, केयर, स्थानीय रूप से उपलब्ध गेहूं, आर टी ई आहार - पूरक आहार पकाना, वितरण और परोसना - उसी स्थान पर खिलाना और रसद घर ले जाना - आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए पूरक आहार अधिप्राप्त और वितरित करते समय याद रखने योग्य बातें - पौषणिक अनुपूरक - विटामिन ए का घोल और लौह तत्व और फोलिक एसिड की गोलियां

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- महिलाओं और बच्चों को विटामिन ए तथा लौह तत्व और फोलिक एसिड की खुराक और वितरण के मार्गदर्शी सिद्धांत - पूरक पोषाहार में समुदाय की भागीदारी - भोजन पकाने और वितरित करने में महिला मंडल के सदस्यों को शामिल करना - समुदाय द्वारा दिए गए स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों से आहार के स्तर में सुधार करना और उसमें विविधता लाना ● स्टॉफ रजिस्टर रखना ● कक्षा का कार्य: आंगनवाड़ी केन्द्र में पूरक पोषाहार का आयोजन करना - पूरक आहार की अधिप्राप्ति, वितरण और भंडारण समेत आंगनवाड़ी केन्द्र में पूरक पोषाहार के आयोजन के प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षार्थियों को तीन समूहों में बांटा जाए।
दिन 10	सत्र 4	अप. 2.15-4.15 बजे	वृद्धि की मानीटरिंग और इसे बढ़ावा देना	● जन्म के बाद किसी बच्चे की वृद्धि की मानीटरिंग करने की जरूरत और उसका महत्व ● 0 से 3 वर्ष और 3 से 6 वर्ष के बच्चों की वृद्धि की मानीटरिंग की बारम्बरता ● संभावित खतरे वाले बच्चों का मानदंड और उनकी पहचान करना ● वृद्धि की मानीटरिंग के लिए साधन और तकनीकें - वृद्धि चार्ट, वज़न लेने की तराज़ू, वज़न लेने की टोकरी आदि ● वृद्धि की मानीटरिंग के निम्नलिखित पांच चरणों पर विचार-विमर्श करना (प्रशिक्षक निदर्शन के जरिए स्पष्ट करेंगे) - जन्म की सही तारीख दर्ज करना और बच्चे की सही आयु की व्याख्या करने के तरीके - बच्चों का वजन लेना - वृद्धि चार्ट पर वजन दर्ज करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- वृद्धि की वक्र रेखा और बच्चे की वृद्धि की प्रवृतियों की व्याख्या करना - वृद्धि चार्ट का इस्तेमाल करते हुए पौषणिक परामर्श ● कक्षा का कार्य: किसी बच्चे की वृद्धि की मानीटरिंग करना और उसे बढ़ावा देना - सही आयु का निर्धारण करने, बच्चे के स्थान पर वस्तुओं का वजन करने, वृद्धि चार्ट पर वजन दर्ज करने, वृद्धि की वक्र रेखा की व्याख्या करने और माता को परामर्श देने पर प्रत्येक प्रशिक्षार्थी से अभ्यास करवाना - वृद्धि की वक्र रेखा की व्याख्या और माता को पोषण पर परामर्श देने के कार्य का प्रशिक्षकों द्वारा पर्यवेक्षण और विचार विमर्श ● ऐसे बच्चे की माता को परामर्श देने पर प्रशिक्षार्थियों द्वारा भूमिका अभिनय करना जिसका वजन नहीं बढ़ रहा है ● वृद्धि की मानीटरिंग पर फिल्म और उसके बाद विचार-विमर्श
दिन 10	सत्र 5	अप. 1.15-5.30 बजे	पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा सत्र का आयोजन करना क्षेत्रीय दौरे के लिए अनुदेश	● किसी समुदाय में पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा की जरूरत और महत्व ● पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा की योजना बनाने और इसका आयोजन करने में याद रखने योग्य बातें - बाल उत्तरजीविता और विकास से संबंधित पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण संदेशों की सूची बनाना ● कक्षा का कार्य: पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करना - प्रशिक्षार्थियों द्वारा अभिनय सत्र - अभिनय सत्र के लिए प्रशिक्षार्थियों को चार समूहों में बांटें - प्रत्येक समूह को अपनी पंसद का एक विषय चुन कर बातचीत के मुद्दे तैयार करना और सहायक सामग्री यदि उपलब्ध है, तो उसका इस्तेमाल करते हुए सत्र

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				का आयोजन - प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को उनकी जरूरत की सहायक सामग्री/सामग्री उपलब्ध कराना - प्रत्येक प्रस्तुतिकरण के बाद प्रशिक्षकों द्वारा मुख्य मुद्दों पर विचार विमर्श करना

दिन 11

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 11	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.30 - अप. 1.15 बजे	शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों और पौषणिक सेवाओं का आयोजन करने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का दौरा करना	• प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को शाला-पूर्व शिक्षा गतिविधियों और पोषाहार सेवाओं के आयोजन के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र का दौरा करने का अनुदेश देना । • प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को गतिविधियों की अनुसूची उपलब्ध कराना । • प्रशिक्षक प्रशिक्षार्थियों को चार-चार के दल में आंगनवाड़ी केन्द्र में तैनात करने की व्यवस्था करने के लिए राज्य सरकार और आई सी डी एस परियोजनाओं के बाल विकास परियोजना अधिकारियों से संपर्क करेंगें । • एक दिन आंगनवाड़ी केन्द्र चलाने के लिए प्रशिक्षार्थियों को चार-चार के समूहों में बांटा जाए • प्रशिक्षकों द्वारा एक दिन की गतिविधियों की समय-योजना तैयार करना । निम्नलिखित समय योजना अपनाई जा सकती है । • शालापूर्व शिक्षा गतिविधियां (पूर्वा. 9.00 - 11.00 बजे) - प्रत्येक प्रशिक्षार्थी द्वारा प्रशिक्षक द्वारा दी गई समय सारणी के अनुसार दो घंटों के लिए शालापूर्व शिक्षा गतिविधियों का आयोजन करना । - समय-सारणी में बाल विकास के सभी क्षेत्रों की गतिविधियां शामिल होनी चाहिएं पोषण संबंधी सेवाएं (पूर्वा. 11.00-11.40 बजे) - प्रत्येक प्रशिक्षार्थी दो बच्चों की वृद्धि को मानीटर करेंगे

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- समूह शिक्षण की सहायक - सामग्री के साथ माताओं के लिए पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करेंगे (इसका विषय प्रशिक्षार्थी स्वयं चुनें) - प्रशिक्षार्थियों द्वारा पूरक पोषाहार का वितरण (दोपहर 11.40 - 12.00 बजे) - बीमार बच्चों को दवाइयों की किट से दवाइयों का वितरण (दोपहर 12.00-12.30 बजे) - प्रशिक्षार्थियों द्वारा रिकार्ड और रजिस्टर भरना (अप. 12.30 - 1.00 बजे)
दिन 11	सत्र 4	अप. 2.15-4.00 बजे	बच्चों में उभरती हुई स्थानीय बीमारियों की रोकथाम करना	• निम्नलिखित बीमारियों के कारण, सामान्य लक्षण और उनकी रोकथाम (1) पीलिया (2) हेपेटाइटिस बी (3) एच आई वी एड्स (4) मलेरिया और डेंगू बुखार (5) तपेदिक
दिन 11	सत्र 5	अप. 4.00-5.30 बजे	बच्चों में विकलांगता की पहचान करना और उसकी रोकथाम करना	• विकलांगता की परिभाषा, कारण, बच्चों में विकलांगता के प्रकार • बच्चों में विकलांगता की शीघ्र पहचान और इसकी रोकथाम • विकलांग बच्चों की जरूरतें, उनके अधिकार और कानूनी सुरक्षा उपाय • बच्चों में विकलांगता की शीघ्र पहचान और रोकथाम के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धान्त • बच्चों में विकलांगता की शीघ्र पहचान और रोकथाम में आई सी डी एस कार्यकर्ताओं की भूमिका

दिन 12

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 12	सत्र 1	पूर्वा. 9.00-11.00 बजे	बाल्यावस्था के रोगों के समेकित प्रबंधन का परिचय देना	• आई सी डी एस में बाल्यावस्था के रोगों का समेकित प्रबंधनः अवधारणा, रणनीति और जरूरत • बच्चों की मृत्यु के सामान्य कारणों पर विचार-विमर्श करना ।

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 12	सत्र 2	पूर्वा. 11.00 – अप. 1.15 बजे	बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना	• बीमार बच्चों के इलाज के लिए सम्प्रेषण और तकनीकी कुशलताएं - बीमार बच्चे की मां से बात करना - बीमार बच्चे के इलाज संबंधी तकनीकी कुशलताएं - चार्टों का इस्तेमाल बाल्यावस्था के रोगों का पता लगाना (क) खतरे के सामान्य लक्षणों का पता लगाना - नवजात शिशु के खतरे के लक्षणों का पता लगाना (दिन 9 के चौथे सत्र के दौरान जिन पर चर्चा की गई) (ख) खांसी तथा सांस लेने में कठिनाई का पता लगाना - बच्चे की उम्र का पता लगाने पर चर्चा - वीडियो अभ्यास (अगर उपलब्ध है) - अभ्यास: श्वसन दर गिनना - सामूहिक विचार-विमर्श - सांस लेने में कठिनाई का पता लगाने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय
दिन 12	सत्र 3-5	अप. 2.15-5.30 बजे	बल्यावस्था के रोगों का निर्धारण जारी................	(ग) दस्तों के रोग का पता लगाना - वीडियो अभ्यास - फोटो ग्राफ अभ्यास - केस अध्ययन (घ) अल्प पोषण और खून की कमी का पता लगाना - फोटो ग्राफ तथा वीडियो अभ्यास - निदर्शन : वृद्धि चार्ट का इस्तेमाल - अभ्यास: आयु के अनुसार वज़न

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियां - लक्षण, रोकथाम और परिणाम - टीकाकरण अनुसूची (9 दिन सत्र 2-4 में जिस पर चर्चा की गई (अगर जरूरत हो तो दोहराएं) (ङ.) टीकाकरण की स्थिति का पता लगाना (च) बुखार और आम रोगों का पता लगाना
		पूर्वा. 9.00 - 9.30		दिन 12 की पुनरीक्षा
दिन 13	सत्र 1	पूर्वा. 9.30 -11.00 बजे	बाल्यावस्था के रोगों का वर्गीकरण	● बाल्यावस्था के रोगों का वर्गीकरण (खांसी और सर्दी तथा सांस लेने में कठिनाई, दस्त, अल्पपोषण और खून की कमी के सामान्य खतरे के लक्षण) ● वर्गीकरण के चार्ट के इस्तेमाल पर निदर्शन - ड्रिल - केस अध्ययन
दिन 13	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 11.00 - अप. 1.00 बजे	बल्यावस्था के रोगों का इलाज	(क) रेफरल सेवाएं - रेफरल सेवाएं कब और कैसे आयोजित की जाएं - बच्चे को अस्पताल रेफर करने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय (ख) दवाओं के साथ इलाज - कोटरीमोक्साजोल के साथ निमोनिया का इलाज या रेफर करना - निदर्शन - प्रशिक्षक द्वारा मां को भूमिका अभिनय से सिखवाना कि कोटरी मेक्साजोल कैसे दें - ड्रिल ● जीवन रक्षक घोल से दस्तों का उपचार

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- जीवन रक्षक घोल तैयार करने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय - जीवन रक्षक घोल की दी जाने वाली मात्रा पर अभ्यास ● खून की कमी/पीलेपन का इलाज - लौह तत्व के गोलियों की खुराक के निर्धारण पर अभ्यास - बुखार का इलाज - पैरासीटामौल की खुराक के निर्धारण पर ड्रिल अभ्यास ● चिकित्सा किट के इस्तेमाल से आम रोगों का इलाज (प्रशिक्षकों द्वारा निदर्शन) - ड्रिल ● बाल्यावस्था के आम रोगों के निर्धारण, वर्गीकरण उपचार की पुनरीक्षा - सहभागियों द्वारा भूमिका अभिनय - निमोनिया वाले बच्चे का पता लगाने पर भूमिका अभिनय के लिए दो सहभागी चुनें।
दिन 13	सत्र 4-5	अप. 2.00-5.30 बजे	घरेलू उपचार और सलाह	● निमोनिया के लिए नहीं बल्कि सिर्फ 'खांसी और जुकाम' से पीड़ित बच्चे की घर में देखभाल - खांसी के लिए सुरक्षित घरेलू उपायों पर सामूहिक विचार-विमर्श - निमोनिया के लिए नहीं बल्कि खांसी और सांस लेने में कठिनाई महसूस करने वाले बच्चे के लिए घरेलू देखभाल की सलाह देने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय ● निर्जलीकरण के लिए नहीं बल्कि सिर्फ दस्त से पीड़ित बच्चे के लिए घरेलू देखभाल - घर में उपलब्ध तरल पदार्थों पर सामूहिक विचार विमर्श ● आहार संबंधी सलाह - बच्चे के आहार का निर्धारण - आहार संबंधी सिफारिशें

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- आहार संबंधी सिफारिशों की पुनरीक्षा पर ड्रिल ● विभिन्न आयु वर्गों के बच्चों के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध पूरक आहार पर सामूहिक विचार-विमर्श ● आहार संबंधी समस्याओं का पता लगाना - विचार विमर्श के बाद सहभागियों को आहार समस्याओं का पता लगाने और माता को आहार संबंधी सलाह देने पर भूमिका अभिनय करने के लिए कहा जा सकता है ।

दिन 14

दिन 14		पूर्वा. 9.00-9.30 बजे		● दिन 13 की पुनरीक्षा
दिन 14	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.30 - अप. 1.15 बजे	बाल्यावस्था के आम रोगों का पता लगाने उनके वर्गीकरण और उपचार के लिए समुदाय का दौरा	● खांसी और जुकाम, दस्त, अल्पपोषण, बुखार तथा अन्य आम रोगों का पता लगाने, उनके वर्गीकरण और उपचार हेतु समुदाय का दौरा ● पाठ्यक्रम निदेशक दौरे के लिए अन्य संकाय सदस्यों की मदद ले सकते हैं । - पाठ्यक्रम निदेशक को आंगनवाड़ी केन्द्र के दौरे के प्रबंध पहले से करने होंगे । - प्रत्येक सहभागी बाल्यावस्था के आम रोगों का पता लगाने, उनकी वर्गीकरण और उपचार के लिए कम से कम 4-5 बच्चों की जांच का कार्य सौंपना - प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षार्थियों की सुपरविज़न करना और उसी समय मार्गदर्शन देना ।
दिन 14	सत्र 4	अप. 2.15 - 5.30 बजे	पोषण संबंधी परामर्श	● सामुदायिक दौरे की प्रतिप्राप्ति (किसी एक सहभागी की रिपोर्ट द्वारा) ● पोषण संबंधी परामर्श - 'किसी बीमार बच्चे की मां से कैसे बात की जाए' इस संबंध में पुनरीक्षा - बीमार बच्चे को दिए जाने वाले भोजन के लिए अच्छी सम्प्रेषण कुशलताओं का इस्तेमाल करते हुए माता को परामर्श देने पर प्रशिक्षकों द्वारा भूमिका अभिनय - दस्त से पीड़ित बच्चे की माता को अच्छी सम्प्रेषण कुशलताओं के इस्तेमाल से

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				परामर्श देने पर सहभागियों द्वारा भूमिका अभिनय ● 'कब तुरंत लाया जाना चाहिए' इस पर सलाह ● 'अनुवर्ती देखभाल' पर सलाह ● अभ्यास

दिन 15

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 15		पूर्वा. 9.00-9.30 बजे		दिन 14 की पुनरीक्षा
दिन 15	सत्र 1 और 3	पूर्वा. 9.30- अप. 1.15 बजे	निर्धारण, वर्गीकरण, उपचार, घरेलू देखभाल और सलाह के लिए समुदाय का दौरा	● निर्धारण, वर्गीकरण, उपचार, घरेलू देखभाल और सलाह परामर्श के लिए समुदाय का दौरा ● प्रत्येक प्रशिक्षार्थी 4-5 बच्चों की जांच करें तथा माता को उपचार/घरेलू देखभाल की सलाह दें - प्रशिक्षक सुपरविज़न करें तथा उसी समय मार्गदर्शन दें
दिन 15	सत्र 4	अप. 2.15-3.15 बजे	आई एम एन सी आई घटक की पुनरीक्षा, प्रवर्तन और प्रतिप्राप्ति	● सामुदायिक दौरे की प्रतिप्राप्ति (किसी सहभागी की रिपोर्ट) ● बाल्यावस्था के आम रोगों का पता लगाने, उनके वर्गीकरण, और उपचार ● सहभागियों द्वारा भूमिका अभिनय - सहभागियों को चार समूहों में विभाजित करें । - प्रत्येक समूह बीमार बच्चे के उपचार पर भूमिका अभिनय करेगा । - बाल्यावस्था के रोगों के समेकित इलाज में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका - आई एम एन सी आई घटक की प्रतिप्राप्ति
दिन 15	सत्र 5	अप. 3.15-4.30 बजे	व्यक्तिगत स्वच्छता और	● व्यक्तिगत स्वच्छता की जरूरत एवं महत्व ● पीने का सुरक्षित पानी - महत्व और जरूरत

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			सुरक्षित पीने का पानी	- दूषित पानी के कारण होने वाले संक्रमण और बीमारियां - आंगनवाड़ी में/घर में पानी को पीने के लिए सुरक्षित बनाने के तरीके - आंगनवाड़ी केन्द्र में नलकूप/हैंडपम्प/नलों के लिए खंड विकास अधिकारी के साथ संपर्क
दिन 15	सत्र 6	अप. 4.30 - 5.30 बजे	पोषण एवं स्वास्थ्य घटक की प्रतिप्राप्ति	● प्रश्नोत्तरी और ब्रेनस्टारमिंग द्वारा प्रतिप्राप्ति ● सीखने संबंधी कमियों को दूर करना

च. सम्प्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी (3 दिन)

दिन 16

दिन 16	सत्र 1	पूर्वा. 9.00 - 10.30 बजे	आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी की जरूरत, महत्व और गुंजाइश	● सामुदायिक भागीदारी, संघटन और संगठन की परिभाषा ● आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी : उपयुक्तता और महत्व ● समुदाय, स्थानीय रीति रिवाजों, परम्पराओं और प्रथाओं तथा सांस्कृतिक मूल्यों आदि को जानने का महत्व ● समुदाय आई सी डी एस कार्यक्रम में कैसे भाग ले सकता है ? ● आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी के क्षेत्र ● आई सी डी एस में सामुदायिक भागीदारी के निर्धारण के सूचक - आई सी डी एस के अन्तर्गत सेवाओं की उपयोगिता - समुदाय द्वारा योगदान - भोजन सामग्री, उपस्कर, स्थान आदि - सेवाओं के प्रदाय के लिए तैयारी/सहायता - सेवाओं की मानीटरिंग, प्रदाय और उपयोगिता

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- प्रभावी समूहों के रूप में कार्य करना - आई सी डी एस के लिए समर्थन
दिन 16	सत्र 2	पूर्वा. 10.30 - 11.45 बजे	अपने समुदाय को कैसे जानें	● समुदाय के साथ संपर्क क्यों और कैसे बनाएं - समुदाय के साथ निरन्तर संपर्क बनाए रखना - स्थानीय रीति रिवाजों, धारणाओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जानकारी ● समुदाय की जानकारी, दृष्टिकोण और प्रथाओं का जानना ● समुदाय की मदद से समस्याओं को समझना और उनके हल ढूंढना ● सामुदायिक भागीदारी पर फिल्म तथा उसके बाद विचार विमर्श
दिन 16	सत्र 3	पूर्वा. 11.15 - अप. 1.15 बजे	आई सी डी एस कार्यक्रम में समुदाय की भूमिका	● आई सी डी एस कार्यक्रम की योजना बनाने, कार्यान्वयन और मानीटरिंग में निम्नलिखित की भूमिका - माताओं का समूह - महिला मंडल - पंचायत प्रधान - धार्मिक नेता - युवा समूह, किशोरियां - प्राथमिक स्कूल के अध्यापक - परंपरागत दाई - गैर सरकारी संगठन
दिन 16	सत्र 4	अप. 2.15 - 3.45 बजे	आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन में	● भारत में पंचायती राज पर जानकारी ● पंचायती राज अधिनियम और 73 वां संवैधानिक संशोधन ● त्रिपक्षीय पंचायती राज प्रणाली : ढांचा, कार्य और ग्राम सभा, ग्राम पंचायत और

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			पंचायतों की भूमिका	न्याय पंचायत (ग्राम स्तर के पदाधिकारी) ग्राम सभा - ग्राम पंचायत की वार्षिक रिपोर्ट और बजट ग्राम पंचायत - स्वच्छता : सफाई व्यवस्था : पानी की आपूर्ति : सड़कों, पुलों व नालों का निर्माण और रखरखाव, अस्पतालों और डिस्पेंसरियों की स्थापना व रखरखाव : कृषि , कोआपरेशन कुटीर उद्योगों आदि को बढ़ावा ; बाजारों, कांजी हाउसों का रखरखाव; ग्राम योजनाएं तैयार करना; तथा उच्चाधिकारियों द्वारा सौंपे गए कार्यों के लिए 'संस्था' का पता लगाना और कुछ नियमित कार्य । पंचायत समिति (खंड स्तर) - कृषि, पशुपालन, सिंचाई, कोआपरेशन, कुटीर उद्योग, शिक्षा तथा सामाजिक शिक्षा, जन स्वास्थ्य और ग्रामीण स्वच्छता, अन्त:ग्राम सम्प्रेषण और समाज कल्याण; जिला परिषद तथा राज्य सरकार द्वारा सौंपे गए कार्यों से संबंधित विकास कार्यक्रमों की योजना बनाना और उसका कार्यान्वयन जिला परिषद (जिला स्तर) - सरकार को विकास योजनाओं पर सलाह देना, बाज़ारों, सड़कों आदि का वर्गीकरण; समितिओं के कार्यों के लिए सलाह देना, इन्हें सुपरवाइज और समन्वित करना तथा समिति के बजट को अनुमोदन देना । • आई सी डी एस कार्यक्रम की मानीटरिंग में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका • आई सी डी एस कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने में पंचायत के सदस्यों के साथ संपर्क स्थापित करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका ।
दिन 16	सत्र 5	अप. 3.45–5.30 बजे	किसी आई सी डी एस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समुदाय को	• आई सी डी एस योजना की शुरूआत के लिए समुदाय को तैयार करना - आंगनवाड़ी केन्द्र स्थापित करने से पहले ग्रामीण नेताओं से मिलना - आई सी डी एस योजना, इसके उद्देश्यों और सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			तैयार करना ।	- समुदाय में आई सी डी एस की सही छवि दिखाना - लोगों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना - आई सी डी एस के कार्यान्वयन के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया में शुरू से ही लोगों को शामिल करना, जैसे कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम स्तरीय समन्वय समिति के लिए प्रतिनिधियों का चयन करना, सामग्री/जनशक्ति की उपलब्धता, लाभार्थियों को प्रेरित करना तथा सेवाएं प्रदान करना आदि । ● दिनांक 26 अक्तूबर, 1993 का भारत सरकार का परिपत्र संख्या 1-7-93-सीडी-1

दिन 17

दिन 17	सत्र 1	पूर्वा. 9.15-10.30 बजे	समुदाय में महिला मंडलों का गठन करना	● महिला मंडल क्या है ? ● महिला मंडल के लक्ष्य और उद्देश्य ● आई सी डी एस में महिला मंडलों की जरूरत ● महिला मंडल के गठन और इसे सक्रिय बनाने के चरण - गृह दौरे/छोटे समूहों में आयोजित बैठकों में महिला मंडल के गठन के बारे में महिलाओं से बातचीत करना - समुदाय की महिलाओं की बैठक बुलाना और कार्यकारिणी के सदस्यों का चयन करना - आई सी डी एस को सुदृढ़ बनाने में महिला मंडलों की भूमिका और समूह को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं पर विचार विमर्श करना - महिला मंडल का पंजीकरण ● महिला मंडलों को बढ़ावा देने और इन्हें सुदृढ़ बनाने के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र और अनुदेश

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 17	सत्र 2	पूर्वा. 10.30-11.45 बजे	ग्राम स्तरीय समन्वय समिति का गठन करना	• ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की जरूरत और इसका महत्व • ग्राम स्तरीय समन्वय समिति का गठन/इसके सदस्यों का चयन और ग्राम स्तरीय समन्वय समिति के कार्य • ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की बैठक के आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता करने में सुपरवाइजर की भूमिका कक्षा का कार्य: ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन (अभिनय सत्र) • सहभागियों को दो समूहों में बांटना • प्रत्येक समूह को निम्नलिखित कार्य सौंपना : 1. ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की बैठक के लिए स्थान और तारीख निश्चित करने समेत इस बैठक के आयोजन की योजना बनाना 2. बैठक के उद्देश्यों और बैठक के दौरान विचार-विमर्श किए जाने वाले मुद्दों की सूची बनाना (प्रशिक्षार्थी विचार-विमर्श के लिए अपनी पसन्द का विषय चुन सकते हैं) 3. विचार-विमर्श किए जाने वाले मुद्दों के लिए मुख्य बिन्दु तैयार करना • ग्राम स्तरीय समन्वय समिति के आयोजन का अभिनय सत्र आयोजित करें • प्रशिक्षक अभिनय सत्र के लिए निर्देश देंगे और प्रशिक्षार्थियों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण पर विचार विमर्श करेंगे ।
दिन 17	सत्र 3	पूर्वा. 11.45 - 1.15 बजे	समुदाय में सर्वेक्षण करना	• समुदाय में सर्वेक्षण आयोजित करने की जरूरत और इसका महत्व • सर्वेक्षण आयोजित करने के चरण - लोगों से संपर्क करना - संपर्क बनाना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- सूचना प्राप्त करना - बातचीत करने और परिवार के मुखिया का साक्षत्कार लेने के लिए आवश्यक कुशलताएं - सर्वेक्षण प्रपत्र में सूचना दर्ज करना - सेवाओं के लिए लाभार्थियों की पहचान करने के लिए लाभार्थियों की सूचना की व्याख्या करना - सेवाएं प्रदान करने में कमियां ● सर्वेक्षण रजिस्टर बनाना ● सर्वेक्षण प्रपत्र में सूचना दर्ज करते समय याद रखने योग्य बातें ● सर्वेक्षण रजिस्टर का मासिक सारांश तैयार करना ● हर तीन महीने में सर्वेक्षण रजिस्टर अद्यतन करना ● बाल विकास परियोजना अधिकारी को परियोजना रिपोर्ट/मासिक प्रगति रिपोर्ट/वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करने हेतु सर्वेक्षण संबंधी सूचना सूचित करना और उपलब्ध कराना कक्षा का कार्य: सर्वेक्षण प्रपत्र भरना - प्रशिक्षक प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को कम से कम 2-3 सर्वेक्षण प्रपत्र उपलब्ध कराएं - प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को कम से कम 2-3 सर्वेक्षण प्रपत्र भरने होंगे - सर्वेक्षण प्रपत्र भरने के लिए काल्पनिक आंकड़ों का इस्तेमाल किया जा सकता है । - प्रशिक्षार्थियों को सूचना एकत्रित करके सर्वेक्षण सार तैयार करना होगा - प्रशिक्षक प्रत्येक श्रेणी के लाभार्थियों की संख्या और इन्हें दी जाने वाली सेवाओं पर विचार विमर्श करेंगे प्रशिक्षक सर्वेक्षण के दौरान परिवार के मुखिया का साक्षात्कार करने के लिए आवश्यक कुशलताओं पर भूमिका अभिनय करेंगे ।

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 17	सत्र 4 और 5	अप. 2.15 - 4.15 बजे	समुदाय को जुटाने और सामुदायिक भागीदारी प्राप्त करने की तकनीकें	• सामुदायिक भागीदारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित के आयोजन तकनीकों और कुशलताओं का वर्णन करना - माताओं की बैठकें और सामुदायिक बैठकें - निदर्शन - भूमिका अभिनय - संकेन्द्रित सामूहिक विचार विमर्श - गृह दौरे - नुक्कड़ नाटक/कठपुतली का खेल - पी एल ए तकनीकें - सामुदायिक जरूरतों, समस्याओं और संसाधनों के निर्धारण के लिए पी एल ए तकनीकों का इस्तेमाल कक्षा का कार्य: समुदाय को जुटाने की तकनीकों पर प्रशिक्षार्थियों द्वारा अभिनय सत्र - सहभागियों को चार समूहों में बांटें और निम्नलिखित तकनीकों का अभ्यास करें: समूह 1 : पी एल ए तकनीकें - आई सी डी एस सेवाओं/बच्चों में बाल्यावस्था के सामान्य रोगों की पहचान और रोकथाम के लिए चपाती रेखाचित्र/मौसम संबंधी रेखाचित्र समूह 2 : आई सी डी एस के अंतर्गत सेवाओं के इस्तेमाल के लिए सामुदायिक बैठक समूह 3 : आई सी डी एस कार्यक्रम और सेवाओं के बारे जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक समूह 4 : बच्चों (तीन वर्ष से कम आयु) में कुपोषण की रोकथाम पर संकेन्द्रित सामूहिक विचार-विमर्श • गृह दौरों पर फिल्म और उसके बाद विचार-विमर्श

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 17	सत्र 6	अप. 4.15-5.30 बजे	आई सी डी एस के लिए समुदाय आधारित मॉनीटरिंग	• खंड, जिला और ग्राम स्तर पर समुदाय आधारित मॉनीटरिंग – समुदाय आधारित मॉनीटरिंग की जरूरत, इसका महत्व और तकनीकें • आई सी डी एस की समुदाय आधारित मॉनीटरिंग के लिए भारत सरकार के अनुदेश (सं:12-11/93-सीडी-1 दिनांक 20 जनवरी, 1994) • ग्राम स्तर पर आई सी डी एस की मॉनीटरिंग के क्षेत्र – आंगनवाड़ी केन्द्र का नियमित संचालन – पूरक आहार का वितरण – बच्चों की वृद्धि की मॉनीटरिंग – बच्चों तथा भावी और धात्री माताओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच – टीकाकरण – बच्चों के लिए रेफरल सेवाएं और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल में समय पर उनका इलाज – आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा के लिए प्रवेश – आंगनवाड़ी केन्द्र में शालापूर्व शिक्षा सामग्री की उपलब्धता – पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित करना और उनमें महिलाओं की भागीदारी – आई सी डी एस में समुदाय को शामिल करना

दिन 18

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 18	सत्र 1	पूर्वा. 9.00 -10.15 बजे	आई सी डी एस कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा और संप्रेषण तथा सामाजिक विपणन	• आई सी डी एस कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण की अवधारणा और जरूरत • आई सी डी एस कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण संबंधी अनुदेश और मार्गदर्शी सिद्धान्त - प्रावधान और कार्रवाई के मुद्दे • आई सी डी एस की संप्रेषण रणनीति और कार्रवाई संबंधी मुद्दे तैयार करने के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			की जरूरत	• आई सी डी एस में सामाजिक विपणन की अवधारणा, जरूरत, सिद्धान्त तथा गुंजाइश
दिन 18	सत्र 2	पूर्वा. 10.15 - 12.00 बजे	संप्रेषण प्रक्रिया	• संप्रेषण - परिभाषा, प्रक्रिया, कार्य और अवरोध • समुदाय में इस्तेमाल के लिए संप्रेषण के चैनल, माध्यम और तकनीकें • संप्रेषण चैनलों और तकनीकों के फायदे और इनकी सीमाएं • मिश्रित माध्यम के उपाय के फायदे
दिन 18	सत्र 3	दोपहर 12.00-1.15 बजे	आई सी डी एस कार्यक्रम में लोक तथा परंपरागत मीडिया और नुक्कड़ नाटकों का इस्तेमाल	• लोक और परंपरागत मीडिया के इस्तेमाल की जरूरत और इसका महत्व • राज्य/जिले में इस्तेमाल किए गए लोक माध्यम के प्रकार पर विचार - विमर्श करना • क्षेत्र विशेष के लोक गीतों/नाटकों पर विचार-विमर्श करना • सामाजिक मुद्दों पर नाटक/नुक्कड़ नाटक के फायदे - नाटक/नुक्कड़ नाटक आयोजित करने की तकनीकें - नुक्कड़ नाटक/नाटक की योजना बनाते समय ध्यान रखने योग्य बातें ।
दिन 18	सत्र 4	अप. 2.15-3.45 बजे	आई सी डी एस में अन्त: वैयक्तिक तथा सामूहिक संप्रेषण का इस्तेमाल	• आई सी डी एस में अन्त: वैयक्तिक और सामूहिक संप्रेषण की जरूरत, इसका महत्व और गुंजाइश • अन्त: वैयक्तिक और सामूहिक संप्रेषण के लिए आवश्यक तकनीकें और कुशलताएं कक्षा का कार्य: समुदाय में अन्त: वैयक्तिक और संप्रेषण तकनीकें इस्तेमाल करना • अपेक्षित कुशलताओं का प्रदर्शन करने के लिए भूमिका अभिनय हेतु सहभागियों को दो समूहों में बांटे • प्रत्येक समूह बच्चे से संबंधित किसी भी विषय पर अन्त: वैयक्तिक और सामूहिक संप्रेषण तकनीक का इस्तेमाल करते हुए भूमिका अभिनय करेगा ।
दिन 18	सत्र 5	अप. 3.45-5.30 बजे	व्यवहार संबंधी	• विकास संप्रेषण की अवधारणा और इसका अर्थ

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			बदलाव के लिए संप्रेषण	• बच्चों की विकास संबंधी जरूरतों और संप्रेषण संबंधी जरूरतों के बीच अन्तर • किसी समुदाय में व्यवहार संबंधी बदलाव (जानकारी, रवैये और प्रथाओं में) लाने में संप्रेषण की भूमिका • किसी समुदाय में व्यवहार संबंधी बदलाव लाने के चरण और अवस्थाएं क) समस्याओं की पहचान करना ख) जानकारी प्राप्त करना संदेश, अनुकूल प्रथाएं दोहराना - मतलब समझना - कार्यक्रमों/सेवाओं के नाम बता सकना - उपर्युक्त प्रथाओं को परिभाषित कर सकना ग) परिवर्तित प्रथाओं का अनुमोदन - संदेशों और उपयुक्त प्रथाओं पर अनुकूल प्रतिक्रिया दिखाना - व्यक्तिगत नेटवर्क - परिवार, मित्रों आदि के बीच विचार विमर्श - कार्यक्रमों और प्रथाओं को स्वीकार और अनुमोदित करना - चालू प्रथाओं को औचित्य बताना - आशय/निर्णय - इससे परिवार की जरूरतों का पता लगाना - सेवा प्रदान करने वाले से परामर्श लेना और उस पर अमल करना घ) अभ्यास/कार्यान्वयन - सेवाएं लेना और अभ्यास करना - बाधाओं पर काबू पा लेने पर व्यवहार में बदलाव लाना ड.) समर्थन और पुष्टि - दूसरों के साथ अनुभव बांटना - परिवर्तित व्यवहार को बनाए रखना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु

छ संगठन एवं प्रबंधन (4 दिन)

दिन 19

दिन 19	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.15 - 1.15 बजे	बच्चों और महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए समुदाय में इस्तेमाल करने हेतु सामाजिक संदेश और सम्प्रेषण सामग्री तैयार करना	● सामाजिक संदेश तैयार करना - बच्चों एवं महिलाओं/आईसीडीएस के सामाजिक मुद्दों की पहचान करना और प्राथमिकता निर्धारित करना - पता लगाए गए मुद्दों से संबंधित मौजूदा दृष्टिकोण, धारणाओं, और प्रथाओं पर विचार विमर्श करना - बाल उत्तरजीविता और विकास के महत्वपूर्ण संदेशों पर विचार विमर्श करना (फैक्ट्स आफ लाइफ-यूनिसेफ के प्रकाशन का संदर्भ लें) ● समुदाय में इस्तेमाल करने के लिए संम्प्रेषण सामग्री - इश्तिहार, चार्ट, पुस्तिकाएं/पर्चे, फ्लिप बुक्स, फलालेन ग्राफ, फ्लैश कार्ड, बैनर, बिल्ले, कठपुतलियां आदि जैसी सम्प्रेषण सामग्री तैयार करते हुए याद रखने योग्य बातों पर विचार विमर्श करना । ● कक्षा का कार्य : - 19 वें दिन के पहले सत्र में कक्षा को सामाजिक संदेश और सम्प्रेषण सामग्री तैयार करने के लिए चार समूहों में बांटें । क) प्रत्येक समूह बाल उत्तरजीविता और विकास पर सामाजिक संदेश पर छोटी पुस्तिका तैयार करेगा । ख) प्रत्येक समूह अपनी पंसद के विषय पर निम्नलिखित सम्प्रेषण सामग्री तैयार करेगा: समूह 1 : पोस्टर, पर्चे, नुक्कड़ नाटक के लिए आलेख और समर्थन सामग्री (बैनर, बिल्ले और टोपियां आदि) समूह 2 : पोस्टर, फलालेन ग्राफ, नुक्कड़ नाटक के लिए आलेख और समर्थन सामग्री

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				(दीवार पर लिखने के लिए स्लोगन; बिल्ले और हैंडआउट आदि) समूह 3 : पोस्टर, फ्लिप बुक, नुक्कड़ नाटक के लिए आलेख और समर्थन सामग्री (पुस्तिकाएं, गीत, स्लोगन आदि) समूह 4 : पोस्टर, फ्लैश कार्ड, नुक्कड़ नाटक के लिए आलेख और समर्थन सामग्री (बैनर, पुस्तिकाएं और टोपियां आदि) ● प्रत्येक समूह को उपर्युक्त सम्प्रेषण सामग्री तैयार करने के लिए अपेक्षित सामान की सूची देना ● प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को चार्टों, रंगों, ब्रुशों, स्केच पैन, पुरानी पत्रिकाओं और गोंद आदि जैसी सामग्री उपलब्ध कराना । ● संप्रेषण सामग्री के प्रस्तुतिकरण और प्रदर्शन के बाद विचार विमर्श कक्षा का कार्य : बाल उत्तरजीविता एवं विकास पर सामाजिक संदेश तैयार करना- 18 वें दिन के सत्र 5 में किए गए चयन के अनुसार प्रशिक्षार्थियों को चार समूहों में कार्य करना - प्रत्येक समूह 18 वें दिन के सत्र 5 में किए गए उल्लेख के अनुसार पुस्तिका और सम्प्रेषण सामग्री तैयार करेगा ।
दिन 19	सत्र 4 और 5	अप. 2.15 - 5.00 बजे	बाल मेलों, प्रदर्शनियों तथा समर्थन अभियानों की योजना बनाना और आयोजन करना	● समुदाय में बाल मेले और प्रदर्शनियां आयोजित करने की जरूरत और महत्व ● बाल मेले और प्रदर्शनियां आयोजित करते समय याद रखने योग्य बातें ● समर्थन: परिभाषा और जरूरत ● समर्थन अभियान की योजना बनाने के चरण - विषय का पता लगाना और उसकी संरचना - क्षेत्र, लक्ष्य, सेवाग्राहियों और उपलब्ध संसाधनों के बारे में आधारभूत सूचना एकत्रित करना - सम्बद्ध लोगों को जुटाना - नैटवर्किंग, सम्पर्क तथा संबंध - कार्यान्वयन की योजना तैयार करना - मुद्दे के संबंध में पूरी संगत सूचना एकत्र करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- मुख्य कार्यकर्ताओं का पता लगाना - मीडिया प्लान बनाना (कौन, क्या, कब, कहां, किसको, कैसे आदि) - सम्प्रेषण सामग्री तथा सहायक सामग्री तैयार करना - मीडिया प्लान को कार्यान्वित करना - प्रतिप्राप्ति और प्रवर्तन ● कक्षा का कार्य : आई सी डी एस समर्थन अभियान के लिए कार्य योजना - सहभागियों को सामाजिक संदेशों तथा सामग्री के साथ साथ समर्थन अभियान की कार्य योजना तैयार करने के लिए दो समूहों में बांटना - प्रशिक्षकों द्वारा पृष्ठभूमि सामग्री उपलब्ध कराना - कक्षा में समर्थन अभियान के अभिनय सत्र की योजना बनाना
दिन 19	सत्र 6	अप. 5.00 - 5.30 बजे	संप्रेषण, समर्थन और सामुदायिक भागीदारी की प्रतिप्राप्ति	● प्रश्नोत्तरी/ब्रेनस्टारमिंग द्वारा प्रतिप्राप्ति ● सीखने संबंधी कमियों को दूर करना ।

ज. आंगनवाड़ी का प्रबंधन (2 दिन)

दिन 20

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 20	सत्र 1	पूर्वा. 9.00 -10.30 बजे	आपूर्ति, सामग्री तथा उपस्कर सहित आंगनवाड़ी केन्द्र का प्रबंधन	● प्रबंधन : परिभाषा और उद्देश्य ● आपूर्ति, पूरक आहार, दवाओं, उपस्कर आदि की अधिप्राप्ति का तरीका ● समुदाय के लिए आहार, दवाओं के वितरण की व्यवस्था करना ● आंगनवाड़ी केन्द्र में गैर-उपभोज्य/उपभोग योग्य वस्तुओं के स्टाक रजिस्टर का रखरखाव - स्टाक रजिस्टर में प्रविष्टियां करना तथा की गई प्रविष्टियों की जांच करना - आंगनवाड़ी के प्रबंधन और इसे चलाने में महसूस की गई समस्याओं पर प्रशिक्षक

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				के साथ विचार विमर्श करना ● कक्षा का कार्य : उपस्कर और आपूर्ति के स्टाक रजिस्टरों का रखरखाव - प्रशिक्षक सभी प्रशिक्षार्थियों को व्यावहारिक अभ्यास के लिए स्टाक रजिस्टर का एक पृष्ठ देंगे । - सभी प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षक द्वारा दिए गए स्टाक रजिस्टर के पृष्ठ में प्रविष्टियां करेंगे ● प्रशिक्षक कक्षा में 3-4 कार्यों पर विचार-विमर्श करेंगे और शेष की जांच करेंगे ।
दिन 20	सत्र 2	पूर्वा. 10.30 - 11.45 बजे	बैठकों की योजना बनाना तथा उनका आयोजन करना	● बैठकों की योजना बनाने और आयोजन के चरण योजना बनाना - बैठक के मुद्दे और उद्देश्य का पता लगाना - बैठक की कार्यसूची तैयार करना - सुगमकर्ता और लक्षित लोगों का पता लगाना - स्थान, समय और अवधि का फैसला करना - सामग्री, सहायक सामग्री और संदेशों का चयन - अगर जरूरी हो तो, प्रभावशाली व्यक्ति/नेता को आंमत्रित करना - लोगों/माताओं को बैठक की सूचना देना - बैठक के लिए बैठने और अन्य व्यवस्थाओं का सुनिश्चय करना - निदर्शन/फिल्मों/भूमिका अभिनय अगर है तो उसका प्रबंध आयोजन - कार्य सूची के अनुसार बैठक का आयोजन - समूह को संबोधित करना और विचार विमर्श के विषयों की जानकारी देना - श्रोताओं को विचार विमर्श में शामिल करना - लोगों को सुनना और उनके प्रश्नों के जवाब देना - बैठक के कार्यवृत्त रिकार्ड करना अनुवर्तन - प्रतिप्राप्ति और अनुवर्तन - कार्यक्रम में सुधार के लिए भावी कार्ययोजना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				• आई सी डी एस कार्यक्रम से संबंधित आयोजित की जाने वाली बैठकों का स्वरूप - माताओं की बैठक, समुदाय की बैठक • कक्षा का कार्य: मासिक बैठकें/ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की बैठकें आयोजित करने पर सहभागियों द्वारा अन्तिम सत्र - निम्नलिखित पर अभिनय सत्र आयोजित करने के लिए सहभागियों को दो समूहों में बांटा जाएगा : समूह 1 : मासिक बैठक आयोजित करना समूह 2 : ग्राम स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन करना - सहभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण के बाद विचार विमर्श
दिन 20	सत्र 3	दोपहर 12.00-1.15 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र चलाने में आने वाली समस्याओं का प्रबंधन	• आंगनवाड़ी चलाने में सामने आने वाली समस्याओं के प्रबंधन पर प्रशिक्षार्थियों से विचार विमर्श करना कक्षा का कार्य: आंगनवाड़ी केन्द्र चलाने में आने वाली समस्याओं की सूची बनाना - सहभागियों को चार समूहों में बांटें - सहभागी संभावित समस्याओं की सूची बनांएगे और अनुभवों के आदान-प्रदान के जरिए उनका समाधान ढूंढेगे • प्रत्येक समूह द्वारा प्रस्तुतिकरण के बाद विचार विमर्श
दिन 20	सत्र 4	अप. 2.15-3.45 बजे	अन्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के नेताओं से अन्त: वैयक्तिक संबंध	• अन्त: वैयक्तिक संबंध बनाने का महत्व • स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के नेताओं से बातचीत करना • स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के नेताओं से अच्छे अन्त: वैयक्तिक संबंध रखना - उन्हें जानना - समस्याएं बांटना और समाधान ढूंढना - सुविधाएं देना और सेवाओं के कारगर कार्यान्वयन के लिए सहायता मांगना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- परामर्श और मार्गदर्शन - घनिष्ठ संपर्क बनाने के लिए अभ्यास
दिन 20	सत्र 5	अप. 3.45-5.30 बजे	सुपरवाइजरों, सहायक बाल विकास परियोजना अधिकारियों/बाल विकास परियोजना अधिकारियों/स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से पत्राचार	● पत्र लिखने की कुशलताएं ● भेजे गए पत्रों और प्रापत पत्रों की फाइल बनाना कक्षा का कार्य : सरकारी और अर्द्ध सरकारी पत्र का मसौदा बनाना - सभी प्रशिक्षार्थी महिला मंडल की बैठक के आयोजन के लिए बाल विकास परियोजना अधिकारी/सुपरवाइज़र को भेजे जाने वाले सरकारी पत्र का मसौदा तैयार करेंगे - उपर्युक्त के लिए एक फाइल खोलें - प्रशिक्षक कक्षा के कार्य की जांच करेंगे ।

दिन 21

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 21	सत्र 1	पूर्वा 9.15-11.00 बजे	स्व विकास और स्व मूल्याकंन	● जरूरत और महत्व ● अपने आप में सुधार लाने के तरीके ● स्वं मूल्यांकन प्रपत्रों पर विचार विमर्श करना
दिन 21	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 11.00 - 1.15 बजे	मासिक प्रगति रिपोर्टें और त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टें भरना और आगन्तुक पुस्तिका तथा दैनिक	- आई सी डी एस में प्रबंध सूचना प्रणाली (एमआईएस) क्या है? इसका महत्व और बुनियादी ढांचा - आंकड़े भरना - आंकड़ों का सत्यापन करना और उनमें सुधार लाना - मासिक प्रगति रिपोर्ट/त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट/वार्षिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करना - सही और समयपूर्वक रिपोर्टें तैयार करने की जरूरत

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
			डायरी बनाना	- आई सी डी एस में रिपोर्टे भरने - मासिक प्रगति रिपोर्टे और त्रैमासिक प्रोफार्मे भरने के तरीके पर विचार विमर्श करना - मासिक प्रगति रिपोर्ट के विभिन्न कालमों में भरी जाने वाली ऐसी सूचना जो रजिस्टरों में से ली जाती है । • समय व्यवस्थित करना ताकि मासिक प्रगति रिपोर्ट समय पर भर कर सुपरवाइजरों को प्रस्तुत की जा सके • आगन्तुक पुस्तिका का रख रखाव करना • कक्षा का कार्य : मासिक प्रगति रिपोर्ट का प्रपत्र भरना और अनुवर्ती कार्रवाई • प्रत्येक सहभागी को मासिक प्रगति रिपोर्ट का प्रोफार्मा भरने के लिए दिया जाएगा - सहभागी अपने अनुमान के आधार पर आंकड़े भर सकते हैं - मासिक प्रगति रिपोर्ट भरने के बाद कक्षा को पांच समूहों में बांटना - प्रत्येक समूह राज्य सरकार को भेजी जाने वाली त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट का प्रोफार्मा भरेगा • दैनिक गतिविधि रजिस्टर भरने का अभ्यास (प्रत्येक सहभागी अलग-अलग अभ्यास करेगा)
दिन 21	सत्र 4	अप. 2.15-5.00 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र में रिकार्डो और रजिस्टरों का रखरखाव करना	• आंगनवाड़ी केन्द्र के रिकार्ड और रजिस्टर आंगनवाड़ी सर्वेक्षण रजिस्टर, गर्भवती और धात्री माताओं हेतु सेवाओं के लिए रजिस्टर, बच्चों हेतु सेवाओं के लिए रजिस्टर, पूरक पोषाहार और शाला पूर्व शिक्षा हेतु सेवाओं का रजिस्टर, टीकाकरण, लौह तत्व और फोलिक एसिड की गोलियों के लिए रजिस्टर, 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए विटामिन ए अनुपूरक रजिस्टर, बच्चों के टीकाकरण का वार्षिक सारांश (1-2 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए) जन्म तथा मृत्यु रजिस्टर,

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				आंगनवाड़ी खाद्य स्टॉक रजिस्टर: आंगनवाड़ी में दवाइयों के वितरण का रजिस्टर, अन्य स्टॉक रजिस्टर, महिला मंडल का रजिस्टर, मासिक प्रगति रिपोर्टों का रिकार्ड, आगन्तुक पुस्तिका तथा दैनिक डायरी • रिकार्ड प्रबंधन • कक्षा का कार्य : रिकार्ड और रजिस्टर भरना - आंगनवाड़ी केन्द्र में रखे गए रिकार्ड और रजिस्टर भरने के लिए सहभागियों को 4 समूहों में विभाजित करें - प्रत्येक समूह आंगनवाड़ी में रखे गए चार रजिस्टरों में से प्रत्येक का एक-एक पृष्ठ भरेगा - प्रशिक्षक कालॅम के शीर्षो सहित रजिस्टरों के पृष्ठों की फोटो प्रतियां उपलब्ध कराएंगें • प्रशिक्षक कार्य की जांच करेंगे और जहां कहीं आवश्यकता होगी प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे ।
दिन 21	सत्र 6	अप. 4.30-5.30 बजे	पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए अनुदेश	• पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए दिन 22-25 हेतु अनुदेश • प्रशिक्षक पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए प्रशिक्षार्थियों को अनुदेश देंगे • आंगनवाड़ी में तैनाती के लिए प्रशिक्षार्थियों को 2-3 के समूहों में बांटा जाएगा • पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए प्रशिक्षकों और प्रशिक्षार्थियों का अनुपात 1:6 होगा • पाठ्यक्रम निदेशक पर्यवेक्षित अभ्यास के लिए सहभागियों की संख्या को देखते हुए अन्य संकाय सदस्यों की सहायता प्राप्त कर सकते हैं • प्रशिक्षक सभी प्रशिक्षार्थियों को तीन दिनों की समय योजना दें • इन चार दिनों के लिए आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के लिए प्रशिक्षार्थियों को शालापूर्व शिक्षा सामग्री, चार्ट आदि ले जाने का अनुदेश देना चाहिए ।

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
ज.	पर्यवेक्षित अभ्यास (4 दिन)			
दिन 22				
दिन 22	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.00-अप. 1.15 (सहभागी आंगनवाड़ी केन्द्र शुरू होने से पहले वहां पहुंचे)	आंगनवाड़ी केन्द्र में सहायिका के रूप में कार्य करना	• प्रशिक्षार्थी को एक दिन के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र की सहायिका की भूमिका और कार्यदायित्व निभाने होंगे • शाला पूर्व शिक्षा/पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता के लिए सहभागियों की 2-3 के समूह में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता के लिए सहभागियों की 2-3 के समूह में आंगनवाड़ी केन्द्र में तैनाती • सहभागी शाला पूर्व शिक्षा गतिविधियों के आयोजन, पूरक पोषाहार तैयार करने (यदि आवश्यक हो तो) और बांटने, बच्चों का वज़न लेने और माताओं से बातचीत करने समेत आंगनवाड़ी केन्द्र की सभी गतिविधियों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता करेंगे
दिन 22	सत्र 4 और 5	अप. 2.15-5.30 बजे	समुदाय में सहायिका के रूप में कार्य करना	• प्रशिक्षार्थी कम से कम 2-3 गृह दौरों और समुदाय में माताओं की बैठक आयोजित करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ रहना • गृह दौरों के दौरान बच्चों का वज़न लेने और माताओं से बातचीत करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सहायता करना।

दिन 23 एवं 24

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 23	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.00-1.15 बजे (सहभागियों को आंगनवाड़ी केन्द्र शुरू होने से पहले वहां पहुंचना है)	आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना	• प्रशिक्षार्थियों को एक दिन के लिए किसी आंगनवाड़ी केन्द्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका और उत्तरदायित्व निभाने होंगे • सहभागियों की 2-3 के समूह में किसी आंगनवाड़ी केन्द्र में तैनाती • आंगनवाड़ी केन्द्र खोलने से पहले उसे व्यवस्थित करना • उस दिन के लिए प्रस्तावित समय योजना इस प्रकार है :-

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				प्रार्थना और बच्चों की व्यक्तिगत स्वच्छता की जांच करना (20 मिनट) - शिक्षण सामग्री की सहायता से मुक्त बातचीत (10 मिनट) - छोटे और बड़े समूहों में संज्ञानात्मक गतिविधियां (20 मिनट) (डोमिनोज़/विभेदीकरण चार्ट/रंगों और छोटे बड़े की अवधारणा - शारीरिक गतिविधियां : कूदने/दौड़ने/उछलने/रस्सी कूदने जैसे बाहरी खेल और अन्य खेल (20 मिनट) (अन्तराल) (10 मिनट) - चित्रकारी और पेंटिंग/क्ले मॉडलिंग/रेत और पानी के खेल/नाटक/नाच/कठपुतली का खेल/गुड़िया का खेल/विज्ञान संबंधी गतिविधि (20 मिनट) - बड़े समूहों में भाषा संबंधी गतिविधियां (कविताएं/अभिनय गीत/वर्णक्रम, संख्या और चित्र/चार्ट पढ़ना/कहानी सुनाना) (20 मिनट) - वृद्धि की मॉनीटरिंग (4/5 बच्चे) (20 मिनट) • बच्चों, गर्भवती और धात्री माताओं को पूरक पोषाहार बांटना (30 मिनट) • बाल्यावस्था की आम बीमारियों का इलाज (20 मिनट) • बच्चों को घर भेजना (10 मिनट) • आंगनवाड़ी केन्द्र के रिकार्ड और रजिस्टर भरना • मासिक प्रगति रिपोर्ट प्रपत्र भरना • निम्नलिखित गतिविधियों के लिए योजना बनाना : - दो परिवारों का सर्वेक्षण करना - दो-तीन गृह दौरे करना

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				- कुपोषित बच्चों/गर्भवती महिलाओं/बीमार बच्चों के परिवारों का दौरा करना - दोपहर में माताओं की बैठक • प्रशिक्षार्थियों को पैक किया हुआ भोजन देना
	सत्र 4-5	अप. 2.15 -5.30 बजे	समुदाय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्य करना	• समुदाय में सर्वेक्षण आयोजित करना (2-3 परिवार) (30 मिनट) • गृह दौरे आयोजित करना (2-3 परिवार) (30 मिनट) • माताओं की बैठकें आयोजित करना (60 मिनट) • प्रशिक्षण संस्थान के लिए प्रस्थान • प्रतिप्राप्ति और कक्षा में विचार विमर्श • प्रशिक्षक 2-3 दिन के लिए अनुदेश देंगे

दिन 25

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 25	सत्र 1-3	पूर्वा. 9.15-1.15 बजे	आंगनवाड़ी केन्द्र में सुपरवाइजर के रूप में कार्य करना	• दो-दो के समूह में प्रशिक्षार्थी एक दिन के लिए सुपरवाइजर की भूमिका और उत्तरदायित्व निभाएंगे - आंगनवाड़ी केन्द्र के स्थान, जगह और स्वच्छता की ओर ध्यान देना - आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित शाला पूर्व शिक्षा गतिविधियों को सुपरवाइज करना और इन्हें मार्गदर्शन देना - 3-4 बच्चों की वृद्धि मानीटर करना - वज़न लेना और उसे दर्ज करना और वृद्धि की वक्र रेखा की व्याख्या करना - माताओं को परामर्श देना - पूरक पोषण का वितरण और मार्गदर्शन देना
दिन 25	सत्र 1-3	अप. 1.15 - 2.15 बजे	भोजन	• आंगनवाड़ी केन्द्र में उपलब्ध खाद्य सामग्री के स्टाक की स्थिति, इसके भंडारण और

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				स्वच्छता की जांच करना ● रिकार्डो तथा रजिस्टरों और मासिक प्रगति रिपोर्ट भरने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का अवलोकन और मार्गदर्शन करना ● आंगनवाड़ी केन्द्र द्वारा रखे गए रिकार्डो और रजिस्टरों की जांच करना ● (प्रशिक्षार्थियों को पैक किया हुआ भोजन दिया जाएगा ।)
दिन 25	सत्र 4-5	अप. 2.15 -5.30 बजे	सी.डी.पी.ओ. के कार्यालय में सुपरवाइजर के रूप में कार्य करना	● प्रशिक्षार्थी एक दिन के लिए सीडीपीओ के कार्यालय में सुपरवाइजर की भूमिका और दायित्व निभाएंगे ● प्रशिक्षार्थियों को 3-4 के समूह में सीडीपीओ के कार्यालय में तैनात किया जाएगा ● बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय के सामान्य कार्य संचालन और क्षेत्र में उसकी जिम्मेदारी के बारे में विचार विमर्श करेगा ● प्रशिक्षार्थी सीडीपीओ कार्यालय में रखे रिकार्डो और रजिस्टरों और उनकी प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन करेंगे ● सहभागी सीडीपीओ कार्यालय में रिकार्डो तथा रजिस्टरों की सूची बनाएंगे । ● प्रशिक्षार्थियों को निम्नलिखित कार्य करने होंगे: - प्राप्त पत्र पर कार्रवाई करना और जवाब देना - सीडीपीओ कार्यालय के लिए फर्नीचर की खरीद हेतु निविदा आंमत्रित करना - आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए खाद्य पदार्थ दवाओं और शालापूर्व शिक्षा सामग्री की आपूर्ति की व्यवस्था करना - परियोजना के लिए बजट बनाना - राज्य सरकार को भेजने के लिए मासिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करना - मंडल की बैठक के आयोजन और मासिक प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करने में

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
				सीडीपीओ की सहायता करना - प्रशिक्षक संस्थान के लिए प्रस्थान - प्रतिप्राप्ति और कक्षा के साथ विचार विमर्श

झ. मूल्यांकन और समापन (एक दिन)

दिन 26

दिन 26	सत्र 1	पूर्वा. 9.15 -11.15 बजे	राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे	• गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार विमर्श करना • पर्यावरण सुरक्षा - पर्यावरण की सुरक्षा की जरूरत और इसका महत्व - प्रदूषण और प्रदूषण के स्रोत - पर्यावरण में सुधार लाने के तरीके - पर्यावरण स्वच्छ और स्वस्थ रखने में समुदाय की भूमिका • गरीबी उपशमन - गरीबी और गरीबी की रेखा को परिभाषित करना - समुदाय के समाजार्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए कार्यक्रम - राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव - राष्ट्रीय एकता की परिभाषा और इसकी जरूरत - साम्प्रदायिक सद्भाव और एकता के लिए पूर्वापेक्षा - साम्प्रदायिक एकता बनाए रखने में बाल विकास परियोजना अधिकारियों की भूमिका

दिन	सत्र	समय	विषय	प्रशिक्षण की विषय वस्तु
दिन 26	सत्र 2 और 3	पूर्वा. 11.15 - 1.15 बजे	प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन	● प्रशिक्षार्थियों का मूल्यांकन ● दो घंटे की परीक्षा आयोजित करना - पाठ्यक्रम निदेशक को परीक्षा का प्रश्न पत्र पहले ही तैयार कर लेना चाहिए - प्रश्न पत्र में विषयपटक प्रकार के प्रश्न हों और उनके कई उत्तर दिए गए हों तथा छोटे प्रश्नों के छोटे उत्तर होने चाहिएं । - प्रश्न पत्र में सभी घटकों से प्रश्न लिए होने चाहिएं । - भारत सरकार द्वारा दिए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार ग्रेडिंग प्रणाली अपनाई जानी चाहिए अर्थात् 70 और इससे अधिक अंक - ए ग्रेड, 60-70 अंक - बी ग्रेड, 50-60 अंक- सी ग्रेड, 40-50 अंक - डी ग्रेड । - प्रशिक्षकों को प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्राप्त किए ग्रेडों का ब्योरा कार्य प्रशिक्षण समाप्त होने के एक सप्ताह के भीतर संबद्ध राज्य सरकारों को भेज देना चाहिए ।
दिन 26	सत्र 4	अप. 2.15 -4.00 बजे	प्रतिप्राप्ति और सीखने संबंधी कमियां दूर करना	● प्रतिप्राप्ति ● सीखने संबंधी कमियां दूर करना
दिन 26	सत्र 5	अप. 4.00-5.30 बजे	समापन सत्र	● समापन सत्र ● यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का वितरण

राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान
5 सिरी इन्स्टीट्यूशनल एरिया, हौज़खास, नई दिल्ली.110 016